अश्विन कृष्ण पक्ष-5, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 92 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
23 सितम्बर 2024
सोमवार

आज का मौसम
27 अधिकतम
20 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

पोर्नोग्राफी कंटेट देखना व डाउनलोड करना भी अपराध: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने बच्चों से जुड़े पोर्नोग्राफी कंटेंट के मामले पर आज बड़ा फैसला सुनाया और कहा है कि इस तरह का कंटेंट देखना, प्रकाशित और डाउनलोड करना अपराध है। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के फैसले को भी रद्द कर दिया है। मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड, जस्टिस जेबी पारदी वाला और जस्टिस मनोज मिश्र की पीठ ने की। कोर्ट ने केंद्र सरकार से चाइल्ड पोर्नोग्राफी की जगह 'बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री' शब्द इस्तेमाल करने के लिए कहा। जस्टिस जेबी पारदीवाला ने सर्वसम्मत फैसले में मद्रास हाईकोर्ट के फैसले के बारे में कहा कि आदेश में आपने गलती की है इसलिए हम हाईकोर्ट के आदेश को रद्द करते हुए मामले को वापस सेशन कोर्ट में भेजते हैं। दरअसल, मद्रास हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि बच्चों से जुड़े पोर्नोग्राफी कंटेंट को सिर्फ डाउनलोड करना या फिर देखना, पाक्सो एक्ट या आईटी कानून के तहत अपराध के दायरे में नहीं आता।

मद्रास हाईकोर्ट ने इसी आधार पर मोबाइल फोन में बच्चों से जुड़े पोर्नोग्राफी कंटेंट रखने के आरोपी के खिलाफ चल रहे केस को रद्द कर दिया था। फैसले के खिलाफ बच्चों के अधिकारों के लिए काम करने वाली कई संस्थाओं ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

टेक दिग्गजों के बीच पीएम मोदी तकनीक के लिए भारत श्रेष्ठ

न्यूयार्क, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी दौरे पर दिग्गज टेक कंपनियों के सीईओ के साथ एक राउंडटेबल मीटिंग में हिस्सा लिया व भारत की विकास संभावनाओं पर जोर दिया और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने की बात कही है। मोदी ने कहा कि आप जैसे विशेषज्ञ बदलती हुई दुनिया और भारत की संभावनाओं के विषय में कोई बात बताते हैं, तब भारत में भी नीति-निर्धारण के विषय में हमारा विश्वास बढ़ जाता है। उन्होंने आगे कहा कि, 21वीं सदी प्रौद्योगिकी संचालित है। जीवन का शायद ही कोई क्षेत्र ऐसा है, जिसे प्रौद्योगिकी संचालित न करती हो। लेकिन ऐसे समय में सिर्फ प्रौद्योगिकी या प्रौद्योगिकी + लोकतंत्र का एक संतुलन बहुत जरूरी है।

प्रौद्योगिकी विकसित भारत की यात्रा का एक अहम स्तंभ है। इसलिए आज हमने भारत में तकनीकी सहयोग और निवेश के लिए अभूतपूर्व संभावनाएं खड़ी की है। उन्होंने कहा कि, 21वीं सदी प्रौद्योगिकी संचालित है। जीवन का शायद ही कोई क्षेत्र ऐसा है, जिसे प्रौद्योगिकी संचालित न करती हो। लेकिन ऐसे समय में सिर्फ प्रौद्योगिकी या प्रौद्योगिकी + लोकतंत्र का एक संतुलन बहुत जरूरी है।

भाजपा हाईकमान ने *तीसरे राज्य* में भी शुरू किया ऑपरेशन

इलेक्शन मिशन में मप्र के दो-दो प्रयोगों की एक साथ आजमाइश

भोपाल/नई दिल्ली , दोपहर मेट्रो।

देश में चुनावी उत्सव शुरू हो गया है और यह अभी करीब चार महीने चलेगा। इसमें पांच राज्यों के चुनाव हो रहे हैं। हरियाणा व कश्मीर में चुनाव के बीच भाजपा ने झारखंड में अपने सारे प्रयोग शुरू कर दिये हैं। मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव आज दो विधानसभा क्षेत्रों के दौरे पर निकले हैं, खास बात यह है कि झारखंड राज्य के प्रभारी मप्र के ही पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह हैं। वे अब केंद्र में कृषि मंत्री भी हैं। वहीं छग के सीएम विष्णुदेव साय के हवाले चालीस सीटें हैं तो असम के सीएम हिमेंन सरमा भी सहप्रभारी हैं। यानि भाजपा इस राज्य में मप्र के दो-दो प्रयोग एक साथ आजमा रही है।

आज मोहन यादव गाण्डेय और बरकडा विस क्षेत्र में परिवर्तन यात्रा व सभा कर रहे हैं। कल ही यादव को जम्मू में दो इलाकों में सभा करने के लिए भेजा गया था वे लोकसभा चुनाव के दौरान भी

झारखंड में कई चुनावी सभाएं ले चुके हैं। यादव को भाजपा ने नौ महीनें पहले में मध्य प्रदेश में ओबीसी प्रयोग के तहत मुख्यमंत्री के तौर पर चुना था। ऐसा ही प्रयोग भाजपा हाईकमान ने राजस्थान में भजन लाल शर्मा और छत्तीसगढ़ में साय के रूप में भी किया है। गौरतलब है कि हाल में भाजपा ने तारीखों की घोषणा से पहले ही कुछ दिनों के अंदर कई बड़े नेताओं का कार्यक्रम तय कर दिया है। पीएम भी दौरा कर चुके हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए स्टार प्रचारक के रूप में नियुक्त किया है। उन्हें 40 आदिवासी बहुल सीटों पर प्रचार की जिम्मेदारी दी गयी है।

हरियाणा में जारी है रार, शैलजा ने कहा-कुछ बातों पर *ढक्कन* जरूरी

नई दिल्ली , एजेंसी।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में सकारात्मक संकेतों के बीच कांग्रेस की वरिष्ठ नेता शैलजा की नाराजगी भांपकर कांग्रेस हाईकमान ने पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा को साफ संदेश भिजवाया है कि चुनाव में किसी भी वरिष्ठ नेता की अनदेखी नहीं की जाए। बताया जाता है कि इस बारे में कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया ने हुड्डा से बातचीत भी की है। अब आने वाले दिनों में राहुल या प्रियंका गांधी के चुनावी कार्यक्रम के मंच पर सैलजा दिखेंगी और उसके बाद वह चुनावी प्रचार में उतरेंगी।

इस बीच शैलजा ने कहा है कि कुछ बातें ऐसी होती हैं जिन पर ढक्कन लगाकर रखना जरूरी होता है। दरअसल भाजपा द्वारा शैलजा को खुलकर अपनी पार्टी में आने के आफर के बाद कांग्रेस के भीतर खलबली मच गई है। इधर हरियाणा में चल रहे चुनावी माहौल के बीच एक चैनल के कार्यक्रम में लोकसभा सांसद कुमारी शैलजा ने खुलकर अपना बात कही है। शैलजा ने नाराजगी के सवाल पर उन्होंने कहा, नाराजगी की बात नहीं है लेकिन कुछ बातें तो हो जाती हैं, अंदरुनी बात होती है, लेकिन उसका इससे कोई मतलब नहीं है। कांग्रेस पार्टी आगे बढ़ रही है, कांग्रेस के साथ हरियाणा के लोग आगे बढ़ रहे हैं। शैलजा ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनेगी। इसलिये मै समझती हूं कि उसमें थोड़ा-बहुत योगदान शैलजा का भी होगा। उससे ज्यादा कांग्रेस वर्कर का योगदान ग्राउंड पर ज्यादा होगा।' मगर शैलजा ने चुनाव प्रचार से दूरी पर कहा कि ' प्रचार के लिए पहले निकले हैं और आगे अब निकलेंगे। शुरू में कैंडिडेट्स भी अपने काम में बिजी होते हैं। नॉमिनेशन के समय में भी में पहुंच नहीं सकी। मगर कुछ बाते होती हैं पार्टी में, उसे पब्लिस में शेयर करना अच्छा नहीं होता है पार्टी डिसिप्लेन भी होता है, उनका आशय था कि इसलिये इन बातों पर ढक्कन ही बेहतर होता है।

शाह पहुंचे, खरगे का दौरा निरस्त

हरियाणा में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की आज दोनों रैली निरस्त हो गई हैं कारण अस्वास्थता बताया गया लेकिन वजह शैलजा व हुड्डा गुटों की खींचतान मानी जा रही है वहीं गृह मंत्री अमित शाह आज दो-दो रैलियां कर रहे हैं शाह टोहाना व जगाधरी में रैली कर रहे हैं।

लड्डू विवाद: मंदिर को पवित्र करने यज्ञ शुरू

नई दिल्ली , एजेंसी।

तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में जानवरों की चर्बी का मामला पूरे देश में तूल पकड़ चुका है। इस बीच मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के आदेश के मुताबिक अपवित्रता को ठीक करने के लिए तिरुमाला में आज से शांति होमम पंचगव्य प्रोक्षण यानी की होम का आयोजन किया जा रहा है। मंदिर के शुद्धिकरण के लिए हो रहे इस होम का आयोजन श्रीवारी (श्री वेंकटेश्वर) मंदिर में बंगारू बावी (स्वर्ण कुआं) यज्ञशाला (अनुष्ठान स्थल) में हो रहा है। वहीं इस मामले की गंभीरता को देखते हुए सरकार ने इसकी जांच के लिए अब एसआईटी का गठन कर दिया है। इसकी निगरानी इंस्पेक्टर जनरल या इसके ऊपर के स्तर के अधिकारी करेंगे। एसआईटी सभी कारणों की जांच करेगी, जिसमें सत्ता का गलत इस्तेमाल भी शामिल है।

बजने लगी लूटे आईफोनों की घंटी, पुलिस खाली हाथ

सागर, एजेंसी।

पिछले दिनों लखनादौन-झांसी हाईवे पर कंटेनर से 1600 आईफोन लूटने वाले बदमाशों का सुराग पुलिस को मिल गया है, लेकिन आशंका है कि बदमाश इन मोबाइल फोन को म्यांमार तक बेच चुके हैं। दरअसल 14-15 अगस्त की दरमियानी रात ये वारदात हरियाणा के मेवाती गैंग ने की थी। यह कंटेनर चेन्नई से दिल्ली जा रहा था। इसमें 3980 आईफोन लोड थे। वारदात में लूटे गए 1600 आईफोन की कीमत 12 करोड़ रुपए बताई जा रही है। चर्चा है कि इन दिनों हरियाणा में चुनाव के चलते वहां लोकल पुलिस की मदद नहीं मिलने से सागर पुलिस बदमाशों तक नहीं पहुंच पा रही है। सागर पुलिस ने अपने स्तर पर बदमाशों के ठिकानों पर दो से तीन बार दबिश दी, लेकिन वे हाथ नहीं आए। आईफोन के ऑन होने पर एप्पल कंपनी ही इन्हें ट्रेस कर इनपुट पुलिस को दिये हैं।

ट्रेन की राह में धमाके की जांच एनआईए को, ट्रेकमैन हिरासत में

खंडवा, एजेंसी।

मध्यप्रदेश में खंडवा-भुसावल के बीच बुरहानपुर के नेपानगर के समीप रेलवे पटरी पर सेना विशेष ट्रेन गुजरने के दौरान 10 डेटोनेटर (पटाखे) में धमाके की घटना से रेलवे में खलबली है। ये डेटोनेटर ट्रेन को इमरजेंसी में रोकने में उपयोग किए जाते हैं। मगर अठारह सितंबर को जम्मू-कश्मीर से दक्षिण भारत की ओर जा रही सेना विशेष ट्रेन के पहियों के नीचे आने से ये सभी डेटोनेटर फटे थे। इससे तेज धमाका हुआ था। पटरी पर डेटोनेटर रखकर सेना विशेष ट्रेन को रोकने की गंभीर घटना की जांच में रेलवे इंटेलीजेंस, एटीएस, राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी, आरपीएफ जुट गई हैं। रेलवे के ट्रैकमैन सहित तीन को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जांच एजेंसियों के सामने बड़ा सवाल यह है कि आखिर ये डेटोनेटर पटरी पर रखने के पीछे उद्देश्य क्या था। इन्हें रेलवे ट्रैक

शेयर बाजार में सेंसेक्स फिर भागा, निफ्टी 26 हजार के करीब

मुंबई, एजेंसी।

शेयर बाजार ने शुक्रूवार को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह में सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ते हुए इतिहास रचा था, तो आज जब नए सप?ताह की शुरूआत हुई तो पहले दिन दोनों इंडेक्स ने जोरदार शुरुआत की और नया रिकॉर्ड बना दिया।सेंसेक्स करीब 327 अंक की उछाल के साथ हाई लेवल पर पहुंच गया, तो वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 26000 के बिल्कुल करीब नजर आया। पिछले शुक्रवार को पहली बार सेंसेक्स ने 84,000 का आंकड़ा पार किया था।

मेट्रो एंकर | चांद पर चन्द्रयान मिशन जारी, खुल रहे हैं चांद के कई राज

चालू है *प्रज्ञान* का काम, अब विशाल गड्ढा खोजा

नई दिल्ली , एजेंसी।

भारत का चंद्रयान-3 मिशन यूं तो पिछले साल चांद पर सफलता पूर्वक खत्म हुआ है, लेकिन वास्तव में यह अभी चल रहा है! दरअसल, ये अभी भी बड़ी खोजों में अपना योगदान दे रहा है। अब चांद के साउथ पोल से प्रज्ञान रोवर ने डेटा भेजा है, जिसकी मदद से एक नए प्राचीन क्रेटर की खोज की जा सकी। अहमदाबाद की फिजिकल साइंस लेबोरेट्री ने साइंस डायरेक्ट में इस बारे में रिपोर्ट प्रकाशित की है। इसमें बताया गया कि प्रज्ञान रोवर ने अपनी लैंडिंग की जगह के पर 160 किलोमीटर चौड़ा क्रेटर या विशाल गड्ढा खोजा है। ये खोज तब की गई, जब प्रज्ञान रोवर अपनी लैंडिंग के पास के ऊंचे तल से होकर गुजर रहा था. जो साउथ पोल के एटकिन बेसिन से करीब 350 किलोमीटर दूर है। बताया जाता है कि एटकिन बेसिन चांद की सतह पर मौजूद सबसे बड़ा इंपैक्ट बेसिन है।

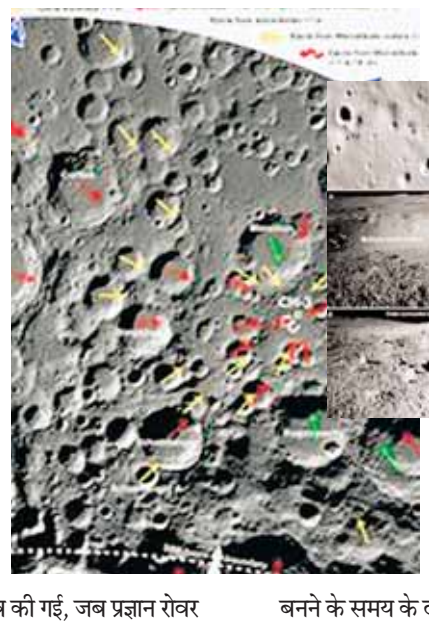

बताया जा रहा है कि प्रज्ञान ने जो क्रेटर खोजा, वो साउथ पोल के एटकिन बेसिन के पहले बना माना जा रहा है। यानी ये चांद पर मौजूद सबसे प्राचीन भौगोलिक संरचनाओं में से एक है। हालांकि पुराना होने की वजह से ये ज्यादातर मलबे से भर गया है। जो बाद में चांद पर टकराने वाले पिंडों की वजह से हो सकता है। खासकर साउथ पोल-एटकिन बनने के समय के दौरा।

खत्म होता रहा है क्रेटर

मगर बताया गया है कि ये क्रेटर समय के साथ धीरे-धीरे खत्म भी होता रहा है लेकिन प्रज्ञान रोवर के नेविगेशमन और हाई रेज़ॉल्यूशन कैमरों की मदद से इस क्रेटर की संरचना का पता चला, जो चांद के भौगोलिक इतिहास की कहानी बता रहा है। पुरानी टक्करों से बन गई यह साइट क्रेटर की खोज के बाद साइंटिस्ट्स के पास एक दुर्लभ मौका है। जिसकी मदद से वो चांद के इस क्रेटर में दबे मलबे का परीक्षण कर सकते हैं। जो चांद से पिंडों के टकराने के समय जितना पुराना है। दरअसल ये लैंडिंग साइट पुरानी टक्करों की वजह से मिनरल से भरी है जिसकी वजह से चांद पर खोज की यह एक अव्वल जगह बन जाती है। चांद के शुरुआती दिनों में अंतरिक्ष में तैरते पिंड चांद की सतह से टकराते रहे हैं। जिनकी टक्करों से ये क्रेटर बने हैं. जो चांद की सतह पर गड्ढों से नजर आते हैंइनकी वजह से मलबा भी निकलता है. बताया जाता है, साउथ पोल-एटकिंस बेसिन ने करीब 1,400 मीटर मलबा पैदा किया होगा।

राम मंदिर के दर्शन नहीं, सिर्फ परिक्रमा की अविमुक्तेश्वरानंद ने

अयोध्या, एजेंसी।

उत्तराखंड की ज्योतिर्मठ पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने अयोध्या में जाकर भी रामलला का दर्शन नहीं किये, वे गौ-प्रतिष्ठा आंदोलन की शुरुआत के लिए पहुंचे तो स्पष्ट कहा कि हम प्रभु राम से शक्ति लेने आए हैं। राम मंदिर की चारों तरफ से परिक्रमा करेंगे। लेकिन राम मंदिर में अंदर नहीं जाएंगे। उन्होंने धर्मशास्त्रविधि का हवाला देते हुए जनवरी में राम मंदिर उद्घाटन कार्यक्रम में जाने से इनकार कर दिया था। शंकराचार्य ने कहा कि राम मंदिर अभी पूरी तरह से बना नहीं है। और वह अर्द्धनिर्मित मंदिर में पूजा नहीं कर सकते हैं। देशव्यापी गौ ध्वज स्थापना भारत यात्रा की शुरुआत भी की। अविमुक्तेश्वरानंद ने गोवंश को लेकर भाजपा पर निशाना साधा व कहा कि गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा प्राप्त हो,इसे लेकर भाजपा का दोहरा चरित्र अब नहीं चलेगा।

सैफिया कॉलेज मैदान पर रोमांचक इवेंट

डर्ट ट्रेक पर देशभर के बाइक राइडर्स के हुनर का प्रदर्शन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। कोहेफिजा स्थित सैफिया कालेज ग्राउंड में कल धूल का गुबार दिखाई देता रहा। दूर से ही लोगों को पता चल गया कि डर्ट ट्रैक आफ भोपाल रेस शुरू हो चुकी है। बाइक रेस के दीवाने परिवार सहित यहां पर सुबह ही पहुंच चुके थे। वहीं बाइकर्स को चीयर करने के लिए युवाओं की टोली भी मौजूद थी, जो अपने-अपने पसंदीदा प्रतिभागी का नाम पुकार रही थी। ऐसे में जब दोपहर रेस का फाइनल राउंड आयोजित किया गया तो हरी झंडी देते ही बाइकर्स के बीच अलग-अलग क्लास के लिए कड़ा मुकाबला शुरू हुआ। रेस में ओवर आल विजेता अकबर खान रहे। राइडर्स असोसिएशन आफ भोपाल द्वारा अलग-अलग श्रेणी में रेस आयोजित की गई। इस स्पर्धा के बार में आयोजक सैयद आसिफ अली ने बताया कि इस इवेंट के लिए खासतौर से 800 मीटर का ट्रैक तैयार किया गया। देशभर से इस रेस में भोपाल के अलावा जयपुर, इंदौर और दिल्ली से 100 राइडर्स ने हिस्सा लिया। इस रेस में आठ लैप थी। रेस के लिए स्पेशल ट्रैक को डिजाइन किया गया, जो जिग-जैग और स्वीप पैटर्न में रहा। इन कैटेगरी में रेस, बने विजेतावुमन क्लास में पहला स्थान मंताश, दूसरा स्थान दिव्या और तीसरा स्थान पूजा ने प्राप्त किया।एक्सपर्ट क्लास 250 सीसी में पहला स्थान अकबर, दूसरा स्थान फराज और तीसरा स्थान यासिर ने हासिल किया।नोवाइस क्लास 250 सीसी में पहला स्थान सोफियान, दूसरा स्थान नाजिम और तीसरा स्थान जावेद ने हासिल किया।

भविष्य में बनने वाली नई लाइन के लिए अभी से तैयारी

दूरगामी फैसला: पुल बोगदा पर बनेगा मेट्रो का इंटरचेंज जंक्शन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पुराने भोपाल के पुल बोगदा में अब ऑरेंज और ब्लू ट्रैक पर चलने वाली मेट्रो का इंटरचेंज सेक्शन (जंक्शन) बनने वाला है। फिलहाल सुभाष नगर से एम्स के बीच मेट्रो के प्रायोरिटी ट्रैक का काम आखिरी चरण में पहुंच चुका है। पुल बोगदा के पास का हिस्सा प्रायोरिटी ट्रैक के पास ही है, इसलिए इंटरचेंज सेक्शन पर भी काम जल्द ही शुरू करने की तैयारी हो गई है, क्योंकि भदभदा से रत्नागिरी के बीच भविष्य में बनने वाली ब्लू लाइन और करोंद से एम्स के बीच बन रही ऑरेंज लाइन के इंटरचेंज सेक्शन को अभी से डिजाइन करने की भी जरूरत है। यह ऐसा सेक्शन होगा, जहां यात्री एक मेट्रो से उतरकर दूसरी में सवार हो सकेंगे।

बीते दिनों मेट्रो एमडी एस कृष्ण चैतन्य ने इस पुल बोगदा पर बनने जा रहे इंटरचेंज सेक्शन के स्थल का मुआयना किया था। इससे पहले वह सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन भी गए थस। वे स्टेशन के 5 फीट नीचे बने पंप हाउस में भी गए। पंप हाउस वो जगह है, जहां से मेट्रो स्टेशन और ट्रेन में पानी सप्लाई किया जाएगा। ऐसे पंप हाउस सभी स्टेशन पर बनाए जा रहे हैं। पानी की सप्लाई चेन को चार अलग-अलग मोटर्स की मदद से संचालित किया जाएगा। इनमें से दो मोटर पानी सप्लाई में काम आएंगी। जबकि बाकी दो मोटर आगजनी जैसी किसी आपात स्थिति के वक्त इस्तेमाल की जाएंगी। क्योंकि

इनकी फिटिंग और पाइपलाइन इसी तर्ज पर बिछाई गई है कि यदि स्टेशन पर कोई हादसा होता है तो आग बुझाने में इसका इस्तेमाल किया जा सके।

खराब सड़के बनाकर एजेंसी को सौंपेने के निर्देश: मेट्रो प्रोजेक्ट के निरीक्षण के दौरान एमडी ने संबंधित कॉन्ट्रेक्टर और इंजीनियर्स को निर्देश दिए कि बचे हुए काम तय समय सीमा में पूरे कर लिए जाएं। इसके अलावा उन सभी सड़कों का नए सिरे से निर्माण करें,जो मेट्रो निर्माण के दौरान खराब हुई हैं। इन सड़कों को दुरुस्त कर उन्हें संबंधित एजेंसी को सौंप दिया जाए।

डीआईजी बंगला के डायवर्सन

मेट्रो स्टेशन निर्माण के चलते डीआईजी बंगला के पास निर्माण कार्य के मद्देनजर आरिफ नगर से डीआईजी बंगला चौराहा की ओर जाने वाली सड़क का ट्रैफिक डायवर्सन किया गया है। मेट्रो कंपनी की सूचना के बाद भोपाल ट्रैफिक पुलिस ने इस सड़क का ट्रैफिक डायवर्सन प्लान जारी किया है। यह सड़क अब 19 अक्टूबर तक बंद रहेगी। लिहाजा आरिफ नगर से डीआईजी बंगला चौराहा की ओर आने वाली सड़क का ट्रैफिक बगल से गुजर रही दूसरी सड़क से गुजरेगा। पुलिस ने अपील की है कि कोई असुविधा होने पर ट्रैफिक पुलिस के नंबर 0755-2677340, 2443850 पर संपर्क करें और वॉट्सएप नंबर 7587602055 पर भी सूचना दें।

सौतेले पिता ने किया नाबालिग बेटी का शोषण

भोपाल। छोला मंदिर इलाके में रहने वाली एक नाबालिग का सौतेले पिता द्वारा शारीरिक शोषण करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर आरोपी पिता के खिलाफ दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक 16 वर्षीय किशोरी छोला मंदिर की रहने वाली है। अपनी मां और सोतेले पिता और अन्य भाई-बहन के साथ रहती है। पिछले दिनों किशोरी के पेट में तेज दर्द हो रहा था। इस पर मां ने उससे पूछताछ की तो उसने सौतेले पिता द्वारा शारीरिक शोषण करने की बात बताई। किशोरी ने मां को बताया कि पिछले दिनों जब छोटे भाई-बहन बाहर खेलने गए थे, तभी पिता ने उसके साथ दुष्कर्म किया। उसके पहले भी वह कई बार उसका शारीरिक शोषण कर चुका था। पिता ने किशोरी का मोबाइल फोन भी अपने पास रख लिया था। बेटी की बात सुनकर रविवार को मां उसे लेकर थाने पहुंची, जहां पीड़िता ने सौतेले पिता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। सौतेले पिता को जब इसका पता चला तो वह घर से गायब हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

भागवत श्रवण मात्र से होता है पितरों का कल्याण, रूद्रजी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

पितृ पक्ष पर सैनिक कॉलोनी नुक्कड़ वाली माता मंदिर पर श्रीमद् भागवत महापुराण का पाठ के चौथे दिन भगवान कृष्ण जन्मोत्सव की लीलाओं का वर्णन किया गया। व्यास पीठ से अनिल रूद्रजी ने कहा कि कलयुग में भगवान कृष्ण का नाम लेने से कल्याण होता है। पितृपक्ष में भागवत पुराण सुनने से अपने पितरों का कल्याण होता है पितृ प्रसन्न होते हैं तो हमारे घर परिवार में सुख समृद्धि प्राप्त होती है। इस अवसर पर नगर निगम के पूर्व अध्यक्ष कैलाश मिश्रा, बजरंग सेना समिति के अध्यक्ष कमलेश देवानी ने कहा कि श्राद्ध पक्ष में गौ माता को रोजाना एक रोटी खिलाने से हमारे पूर्वज प्रसन्न होते है और आशीर्वाद देते हैं। कथा में बजरंग सेना समिति के उपाध्यक्ष राज बिजोरिया, सलाहकार प्रभु मूलचंदानी, सचिव खेमचंद निहचलानी विशेष रूप से मौजूद रहे। पंडित रवि पटेरिया ने बताया कि प्रतिदिन पितरों का पूजन 11 बजे से से 12 तक किया जाता है। कथा की शुरूआत 12.30 बजे से होती है।

जहरीला पदार्थ पीने से युवती की मौत, जांच शुरू

भोपाल। अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र में रहने वाली युवती की जहरीला पदार्थ पीने से मौत हो गई। मृतका के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस के अनुसार किरण प्रजापति (24) पुरानी विधानसभा के पास अरेरा हिल्स में रहती थी। ग्रेज्युएशन करने के बाद वह ब्यूटी पार्लर का काम करती थी। शुक्रवार देर रात उसने घर में जहरीला पदार्थ पी लिया। परिजन ने उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया, जहां शनिवार को उसने दम तोड़ दिया। मृतका के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजन के विस्तृत बयान के बाद ही जहर खाने के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

शिविर: स्वस्थ रहने के टिप्स लेने देशभर से संतनगर आए साधक-साधिकाएं

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केन्द्र में दस दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर का रविवार की शुरूआत हुई, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से साधकगण अपक्वाहार एवं प्राकृतिक उपचार के साथ-साथ योग, आयुर्वेदिक उपचार, फिजियोथैरेपी, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर, शिरोधारा, पोटली मसाज से भी अपने सेहत से जुड़ी समस्याओं से राहत की उम्मीद लेकर आए हैं। शिविर के प्रथम दिन शिविरार्थियों का पंजीयन एवं परामर्श प्राकृतिक चिकित्सकों द्वारा किया गया। इसके बाद

व्याख्यान सत्र में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ गुलाब राय टेवानी ने कहा कि शिविर का उद्देश्य है %प्राकृतिक चिकित्सा से संपूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करना संभव%। शिविर में शरीर का शुद्धिकरण कैसे करें वो जानेंगे। आप दिनचर्या व उपवास की कला सीखेंगें जिससे आप सुखमय व स्वास्थ्यमय जीवन पा सकें। साथ ही यहां आपका पंच तत्वों से उपचार किया जाएगा। दस दिवसीय रोग निवारण शिविर में प्राकृतिक चिकित्सकों एवं विशेषज्ञ अलग-अलग विषयों पर व्याख्यान देंगे एवं शिविरार्थियों की शंकाओं का समाधान करेंगे।

बच्चों, शिक्षक-शिक्षिकाओं ने याद किया स्वामीजी को

संतजी के जन्म दिवस पर विद्यालयों में आयोजन

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

शहीद हेमू कालाणी एज्युकेशन सोसायटी के स्कूलों में संत हिरदारामजी का अवतरण दिवस मनाया गया। विद्यार्थियों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने संतजी के सेवा कार्यों को याद किया। झांकी में संतजी के व्यक्तित्व को रेखांकित किया गया। मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में संतजी को याद किया गया। संस्था के अकादमिक निदेशक गोपाल गिरधानी ने छात्रों को संत जी के सहज, सरल, विनम्र, संयमित और स्वानुशासित जीवन को दर्शाते हुए कई संस्मरण साझा किए। विद्यालय के संगीत शिक्षक जय रीझवानी ने गायत्री मंत्र एवं गुरुमंत्र के वाचन के साथ भजन की प्रस्तुति दी। विद्यालय समन्वयक देवेन्द्र शर्मा ने कहा कि संतजी के कार्यों से प्रेरणा लेकर हम जीवन में आगे बढ़ सकते हैं। विद्यालय

परिसर में संतजी की के जीवन पर झांकी सजाई।

बच्चों ने किया सुखमनी पाठ: विद्यासागर पब्लिक स्कूल, राधीबाई हासोमल ख्यांतानी फाउंडेशन स्कूल एवं अर्जन हाथीरामानी मेमोरियल प्ले स्कूल में संतजी का अवतरण दिवस मनाया गया। शिक्षिकाओं ने सभी के सुखों की कामना के लिए सुखमनी का पाठ किया गया एवं प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें भजन और रामधुन के माध्यम से संत हिरदाराम साहिब जी का स्मरण किया गया। स्कूल के निदेशक भगवान दामानी कार्यक्रम की शुरूआत की। विद्यालय के प्री- नर्सरी, नर्सरी एवं केजी के नन्हें मुन्ने विद्यार्थी संत हिरदारामजी, सिद्ध भाऊजी एवं उनके भक्तों की वेशभूषा में आए थे। शिक्षिकाओं ने सिंधी और हिंदी भजनों की प्रस्तुति दी।

भंडारे का आयोजन: युवा सिंधी मंच ने स्वामी हिरदारामजी के जन्म दिवस पर धार्मिक कार्यक्रम एवं भंडारे का आयोजन किया। रामुधनी के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई, गंगाधाम दरबार के महंत तुलसी कलतारी आशीर्वाद देने पहुंचे। संतनगर वासियों के अलावा संतनगर से गुजर रहे वाहनों के चालकों ने भी प्रसादी ग्रहण की। मंच के अध्यक्ष जयराम नंदवानी ने कहा, हर साल मंच संतजी के अवतरण दिवस पर भंडारे का आयोजन करता है।

मेट्रो एंकर | चार दिवसीय सिंधी सांस्कृतिक गरबा महोत्सव पांच अक्टूबर से

सिंधी सांस्कृतिक मेला की तैयारियां तेज, प्रशिक्षण में बारीकियां सीख रहे प्रतिभागी

सिंधी मेला समिति की बैठक में जिम्मेदारियों का बंटवारा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

मां दुर्गा की साधना का पर्व नवरात्रि तीन अक्तूबर से शुरू हो रहा है। पर्व का उत्सवी बनाने के लिए सिंधी मेला समिति गरबा महोत्सव का आयोजन करेगी, जिसकी सिंधी सांस्कृतिक गरबा महोत्सव पांच से आठ अक्टूबर तक होगा। रविवार को कबीर कुटिया, ईदगाह हिल्स में सिंधी मेला समिति द्वारा गरबे की तैयारियों को लेकर बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें समिति सदस्यों को उनके उनके कार्यों की ज़िम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी ने बताया कि सांस्कृतिक गरबे का यह 18वां वर्ष है। इस वर्ष गरबे की व्यवस्था को थोड़ा आधुनिक किया गया है, इस वर्ष प्रतिभागियों के लिए गरबी ग्राउंड में प्रवेश के लिए बार कोड को स्कैन करना अनिवार्य होगा। साथ ही गरबा स्थल पर प्रवेश करने के

लिए भी आने वाले अतिथि को अपने पास को स्कैन करने के बाद ही प्रवेश मिलेगा। चार दिवसीय गरबा महोत्सव 05, 06 ,07 और 08 अक्तूबर को लालघाटी स्थित सुंदरवन गार्डन में सायं 7 बजे से रात्रि 8 बजे तक किया जा रहा है। गरबे में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों को 20 दिन का प्रशिक्षण 15 सितंबर से भोपाल के 9 अलग-अलग सेंटरो पर प्रशिक्षित कलाकारों द्वारा दिया जा रहा है, जिसमें अभ्यर्थियों को गरबा के पारंपरिक नित्य की अलग अलग विधायें सिखाई जा रही है। दरयानी ने बताया कि मुख्य आयोजन के लिये राष्ट्रीय प्राप्त कलाकारों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है जिनके द्वारा हिन्दी सिंधी गुजराती गीतों की प्रस्तुति दी जायेंगी, जिससे गरबे में सिंधी समाज के लोग गरबा व डांडिया करने का आनंद उठा सकेंगे।

यह रहे मौजूद: बैठक में मुख्य रूप से सिंधी मेला समिति के समिति के संरक्षक के.एल. दलवानी, महासचिव नरेश तलरेजा, घनश्याम पंजवानी, महेश बजाज, सुनील मघवानी, मनोहर लालवानी, दीपू वाधवानी, शकुन देवसीमा सबनानी, वंदना डुलानी, माया पंजवानी, राजू वाधवानी, राम आसुदानी, कपिल भाटिया, मोहन देवरख्यानी, मनोहर उतवानी, राजेश मेघानी, किरण वाधवानी, सहित समाज के गणमान लोग एवं बड़ी संख्या में मात्रशक्ति उपस्थित हुई।

स्कूल शिक्षा विभाग अलर्ट, किए व्यवस्थाओं में बदलाव

स्कूलों सहित शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षकों सहित स्टाफ का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी के कुछ स्कूलों में बच्चियों से अश्लील हरकत के मामले सामने आने के बाद स्कूल शिक्षा विभाग अलर्ट हो गया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने सतर्कता को ध्यान रखते हुए अब शिक्षकों व स्टाफ के सत्यापन को लेकर नए दिशा-निर्देश जारी किए है। जिसके अनुसार, स्कूलों सहित सभी शैक्षणिक संस्थानों में अब शिक्षकों एवं अन्य स्टाफ का चारित्रिक और पुलिस सत्यापन किया जाएगा।

जिला शिक्षा केंद्र ने सभी स्कूलों के प्राचार्य को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि वर्तमान परिवेश में मासूम बच्चों के साथ जो निंदनीय घटनाएं हो रही हैं, उनको देखते हुए यह आवश्यक है कि आपके विद्यालय में यह सुनिश्चित करें कि कार्यरत सभी शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ का चारित्रिक एवं पुलिस सत्यापन किया गया हो। अगर कोई स्टाफ में शिक्षक, गेम्स टीचर, केयर टेकर, कम्पयूटर ऑपरेटर आदि गैर शैक्षणिक स्टाफ यथा गार्ड, सफाई

कर्मी, माली, बस ड्रायवर, कंडेक्टर, क्लीनर, विद्युतकर्मी आदि का पुलिस सत्यापन, चारित्रिक सत्यापन अनिवार्य रूप से किया गया हो। अगर कोई वगैर सत्यापन के कार्यरत है, तो तुरंत दो दिन में कराया जाए। यह भी निर्देश दिए गए हैं कि यह सुनिश्चित कर उक्त आशय का एक प्रमाण पत्र इस कार्यालय में बीआरसीसी के माध्यम से दो दिन में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत किया जाए।

चारित्रिक रिकार्ड ठीक नहीं तो एंट्री नहीं

आदेश में कहा गया है कि किसी भी स्थिति में ऐसे किसी भी व्यक्ति को जिसका चारित्रिक रिकार्ड ठीक नहीं हो या अपराधिक प्रवृति का कोई रिकार्ड रहा हो उसे शाला के किसी कार्य में संलग्न न करें।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में मप्र के रीवा की सौर परियोजना शामिल, छात्र समझ रहे सफलता का राज

दुनिया में उदाहराण पेश कर रहे मध्यप्रदेश के कई काम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र के कई काम दुनिया में उदाहरण पेश कर रहे हैं। ऐसे ही एक काम में रीवा की सौर उर्जा परियोजना भी शामिल हो गई है, जिसकी सफलता पर हावर्ड यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने गौर किया और उस पर छात्र अध्ययन करने लगे हैं। यह मप्र के किसी भी प्रोजेक्ट की सफलता का बहुत बड़ा उदाहरण हैं। ओंकारेश्वर की सौर परियोजना भी अने वाले समय की अलग श्रेणी में यह स्थान हासिल कर सकती है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर पॉवर पार्क और प्लांट के उत्कृष्ट प्रबंधन, संचालन और सौर ऊर्जा उत्पादन को आदर्श उदाहरण के रूप में पढ़ाया जा रहा है। रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर पावर प्लांट न सिर्फ़ विश्व का सबसे बड़ा प्लांट है बल्कि विश्व में सबसे सस्ती दर पर व्यावसायिक उर्जा उत्पादन करने वाला प्लांट भी है। यहां से 3 रूपये 30 पैसे प्रति यूनिट बिजली अगले 25 सालों के लिए उपलब्ध हो सकेगी। गुजरात के गांधी नगर में नवकरणीय ऊर्जा को लेकर हुई राष्ट्रीय समिट में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उद्योगपतियों से यह बात कही। जिसके बाद अनेक उद्योगपतियों ने मध्यप्रदेश में सौलर प्लांट लगाने की इच्छा जाहिर की है। उल्लेखनीय है कि ओंकारेश्वर में मां नर्मदा नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी 600 मेगावाट क्षमता की फ्लोटिंग सोलर परियोजना भी विकसित की जा रही है। इसके अलावा प्रदेश के विभिन्न अंचलों में भी सौर ऊर्जा की कई छोटी-बड़ी परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं।

भोपाल में भी घरों की छतों पर लगेंगे सौलर पैनल

अब राजधानी भोपाल में सरकारी भवनों और नागरिकों को अपने घर की छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए अभियान चलाया जाएगा। खासकर कॉलोनियों में सामूहिक स्तर पर उक्त प्लांट को विकसित कराने पर जोर देंगे। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में भरपूर सौर ऊर्जा है। यहां 300 से ज्यादा दिनों तक सूर्य का प्रकाश रहता है। विश्व बैंक के क्लीन टेक्नालाजी फंड के माध्यम से वित्त पोषित देश की पहली सौर परियोजना है। आज विश्व के 10 सर्वाधिक बड़ी सोलर परियोजनाओं में से आधी भारत में है। रीवा सोलर पॉवर प्लांट इनमें से एक है।

भाजपा ने बनाया कांग्रेस व राहुल गांधी को घेरने का प्लान, राष्ट्रीय नेताओं को उतारा

मप्र में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री शंभूनाथ टुंडिया ने विरोध कर गंभीर आरोप लगाए

भोपाल, दोपहर मेट्रो। अमेरिका में दिए बयान के बाद से राहुल गांधी पर भाजपा आक्रमक है। भाजपा ने कांग्रेस व राहुल गांधी को चौतरफा घेरने का प्लान बना लियाा है। भाजपा के राष्ट्रीय स्तर के नेताओं को इसकी जिम्मेदारी दी है। इसी के तहत भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री शंभूनाथ टुंडिया कल रविवार को भोपाल में थे, उनके नेतृत्व में पार्टी ने आंबेडकर प्रतिमा के सामने कांग्रेस के खिलाफ विरोध दर्ज कराया और कांग्रेस पर चौतरफा आरोप लगाए।

राहुल गांधी के बयान की निंदा की

मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री टुंडिया एवं मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कैलाश जाटव ने पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ रविवार को बोर्ड आफिस चौराहा स्थित बाबा साहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के पश्चात राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन कर बयान की निंदा की। मोर्चा ने प्रदेश कार्यालय में प्रबुद्धजनों की बैठक आयोजित कर राहुल गांधी के बयान की भर्त्सना की। टुंडिया ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा अमेरिका में आरक्षण के विरोध में दिए बयान को लेकर पूरे देश में आक्रोश है।

कांग्रेस-राहुल की नस-नस में भरा है संविधान व दलितों का अपमान

राष्ट्रीय महामंत्री शंभूनाथ टुंडिया ने आरोप लगाए कि संविधान व दलितों के अपमान की भावना कांग्रेस की नस-नस में है। कांग्रेस पार्टी और उसके नेता अपने राजनीतिक हित साधने के लिए संविधान और संवैधानिक प्रक्रियाओं का दुरुपयोग करते रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा अमेरिका में आरक्षण के विरोध में दिया गया बयान भी कांग्रेस की इसी भावना का परिचायक है। उनके साथ मप्र मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कैलाश जाटव व अन्य मौजूद थे।

57 साल कांग्रेस रही, लेकिन आरक्षण का मूल लागू नहीं किया

राष्ट्रीय महामंत्री टुंडिया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने लगभग 57 वर्षों तक देश पर शासन किया, लेकिन इस दौरान कभी उसने संविधान में प्रदत्त मूलभूत आरक्षण के सिद्धांत को सही भावना और स्वरूप में लागू करने की इच्छा शक्ति नहीं दिखाई। तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने 1956 में पिछड़े वर्गों को आरक्षण देने से संबंधित काका कालेलकर आयोग की रिपोर्ट को खारिज कर दिया था। 1961 में पं. नेहरू ने मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर कहा था कि आरक्षण से अक्षमता और दोयम दर्जे का मानक पैदा होता है। पं. नेहरू ने ही बाबा साहब आंबेडकर के सामाजिक और राजनीतिक जीवन का समाप्त करने का षडयंत्र रचा, उन्हें लोकसभा चुनाव में हराने का पाप किया। कांग्रेस की सरकारों ने कभी भी बाबा साहेब का तैल चित्र संसद में नहीं लगने दिया था और न ही उन्हें कभी भारत रत्न देने का प्रयास किया गया।

51 हजार अतिथि शिक्षक ऑनलाइन दर्ज, 19 हजार अतिथि शिक्षक बाकी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया जारी

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया चलाई जा रही है। सरकारी स्कूलों में नई रिक्तियों के लिए अतिथि शिक्षकों को आवेदन सुविधा प्रदान की गई है, जिसमें आवेदक द्वारा ही रिक्त पदों का चयन ऑनलाइन किया जा रहा है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शीघ्र ही आवेदकों को ऑनलाइन पद्धति से ही स्कूलों का आवंटन किया जाएगा। विगत वर्षों में विद्यालय स्तर पर तैयार अतिथि शिक्षकों के पैनल जीएफएमएस पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज किए गए हैं। अब तक 51 हजार अतिथि शिक्षकों ने पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज किए हैं, जिन्हें स्कूलों में आमंत्रित किया जाएगा। लेकिन अब भी 19 हजार अतिथि शिक्षक बाकी हैं।

सत्यापन स्कूल प्रभारी द्वारा किया जाएगा

अतिथि शिक्षकों को ऑनलाइन आमंत्रण सुविधा अतिथि शिक्षक के ही लागइन पर उपलब्ध कराई गई है। इसका सत्यापन स्कूल प्रभारी द्वारा करने के बाद संबंधित अतिथि शिक्षक की ज्वाइनिंग संबंधित स्कूल में ऑनलाइन की गई है, जिसमें आवेदक द्वारा ही रिक्त पदों का चयन ऑनलाइन किया जा रहा है। बता दें, कि प्रदेश में करीब 70 हजार अतिथि शिक्षक हैं।

जम्मू में मुख्यमंत्री यादव

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जम्मू-कश्मीर के सांबा विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी सुरजीत सिंह सलाथिया के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के आजाद होने के बाद कांग्रेस पार्टी के गलत निर्णय के कारण वर्षों तक जम्मू-कश्मीर में धारा 370 का कलंक लगा रहा। नेशनल कांफ्रेस और कांग्रेस शिशुपाल की तरह, इस विधानसभा चुनाव में इन दोनों दलों को माफ न करें।

आयुष मंत्री परमार बोले

परंपरागत पैथी सर्वश्रेष्ठ है, इसके दस्तावेजीकरण की आवश्यकता

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने रविवार को भोपाल स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के आवृत्ति भवन में वाचिक परंपरा में प्रचलित हर्बल उपचार प्रणालियां संरक्षण, संवर्धन और कार्य योजना विषय पर आयोजित दो दिवसीय प्री-लोकमंथन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में सम्मिलित होकर पारंपरिक एवं प्राकृतिक उपचार पद्धतियों के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। मंत्री परमार ने कहा कि आज के परिदृश्य में परंपरागत औषधियों को एक नयी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। जनजातीय वैद्यों के द्वारा स्वदेशी उपचार पद्धतियों के प्रत्यक्ष प्रमाण होने के बावजूद भी स्वास्थ्य सेवाओं में विश्वसनीयता स्थापित करने की आवश्यकता है। मंत्री परमार ने कहा कि ग्रामीण परिवेश का व्यक्ति भी पौधों एवं वृक्षों के आवश्यक एवं महत्वपूर्ण गुणों की जानकारी रखता है और प्रत्यक्ष प्रमाण होने के बावजूद भी उसे मान्यता नहीं मिल पाती है। आयुष मंत्री परमार ने कहा कि यह परंपरागत ज्ञान जो पीढ़ियों से सतत चला रहा है।

कांग्रेसजनों से विचारधारा पर संवाद

भोपाल, दोपहर मेट्रो। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी प्रबंध समिति के सदस्य सचिन राव ने एक कार्यशाला के दौरान कांग्रेसजनों से पार्टी की विचारधारा पर संवाद किया। उन्होंने कांग्रेस की नीति और सिद्धांतों को लेकर ब्रिटिश काल से लेकर आजादी और वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा सत्य अहिंसा के मार्ग पर चलने वाली पार्टी है जिसे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने आगे बढ़ाया था। उपस्थित कांग्रेसजनों से वाद संवाद किया। कांग्रेसजनों ने पार्टी और संगठन के मजबूती के लिए चर्चा की । कार्यक्रम में मुकेश नायक सज्जन सिंह वर्मा राजीव सिंह महामंत्री एवं प्रशासन प्रभारी डॉ. संजय कामले, महेंद्र जोशी, विधायक दिनेश गुर्जर महिला विभा पटेल, मृणाल पंत भूपेंद्र गुप्ता,रवि सक्सेना आदि मौजूद थे।

मेट्रो एंकर एक साल पहले किया था आवेदन, निर्धारित शुल्क भी किया जमा

निश्चित गाइडलाइन नहीं: निरीक्षण में देरी से एक दर्जन कॉलेज नहीं दे सके प्रवेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत इस साल स्नातक के चौथे वर्ष की शुरुआत हुई है, जिसमें छात्रों को पीजी के बिना ही पीएचडी करने का अवसर मिल रहा है। लेकिन मध्य प्रदेश के एक दर्जन से अधिक कॉलेज रिसर्च सेंटर की अनुमति न मिलने के कारण छात्रों को प्रवेश नहीं दे सके।

जानकारी के अनुसार कॉलेजों ने लगभग डेढ़ साल पहले रिसर्च सेंटर के लिए आवश्यक राशि जमा की थी, लेकिन बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी द्वारा निरीक्षण में देरी हो गई है। एनईपी के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रम के तीन वर्ष पूरे करने के बाद चौथे वर्ष में ऑनर्स विद रिसर्च और ऑनर्स का

विकल्प उपलब्ध कराया गया है, लेकिन इसके लिए कॉलेजों में रिसर्च सेंटर होना आवश्यक है।

बीबीए, बीकॉम, बीएससी थर्ड इयर की परीक्षा कल : बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी की बीबीए, बीकॉम, बीएससी थर्ड ईयर (ओल्ड कोर्स) की परीक्षाएं सोमवार से शुरू होंगी। भोपाल में यह परीक्षा मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय (एमवीएम), बाबूलाल गौर शासकीय कॉलेज (भेल कॉलेज) और शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी साइंस एंड कामर्स कॉलेज में होगी। परीक्षा में किसी तरह की गड़बड़ी न हो इसके लिए दो निरीक्षण टीमों का गठन किया गया है।

शुल्क और अनुमति की स्थिति

सूत्रों के अनुसार, कॉलेजों को रिसर्च सेंटर बनाने के लिए स्पष्ट गाइडलाइन नहीं है और निरीक्षण टीम एवं अधिकारियों के बीच तालमेल न होने के कारण फाइलें लंबित रहती हैं, इसका खामियाजा छात्रों को उठाना पड़ता है। कॉलेज प्राचार्यों के अनुसार, प्रत्येक विषय के लिए डेढ़ से दो लाख रुपए तक की राशि जमा की गई है। लेकिन निरीक्षण की प्रक्रिया में लगातार देरी हो रही है। एक सरकारी कॉलेज के प्राचार्य ने बताया कि उन्होंने 25 अगस्त 2023 को संस्कृत और अंग्रेजी विषय के रिसर्च सेंटर के लिए आवेदन किया था। सेंटर बनाने अंग्रेजी और संस्कृत विषय के लिए निर्धारित राशि 2 लाख 53 हजार 700 रुपए जमा किए थे। संस्कृत विषय निरीक्षण के लिए टीम तो गई लेकिन रिपार्ट अब तक जमा नहीं हो सकी, वहीं अंग्रेजी विषय के लिए तो निरीक्षण तक नहीं हो सका।

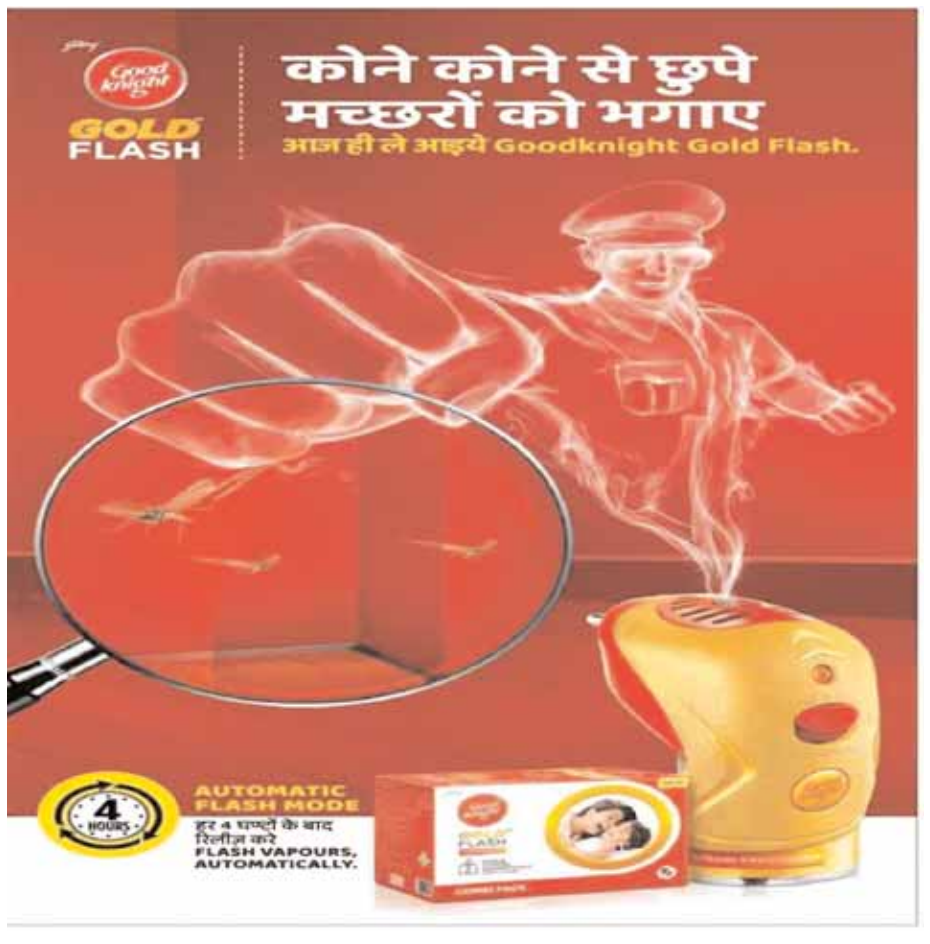

संपादकीय

शालीन संवाद

किसी भी तरह की बातों व संवादों में शालीनता, गरिमा व संयम बहुत आवश्यक होता है। यह बात सभी जगहों पर लागू होती है,खासकर उन संस्थानो में इनकी ज्यादा दरकार है, जहां सभी की निगाहें होती हैं और जो समाज के लिए आदर्श स्थापित कर सकते हैं। इनमें कार्यपालिका भी आती है और न्यायपालिका से भी अपेक्षित होती है। राजनीति से जुडे लोगों के लिये भी यह बहुत जरूरी होता है कि वे टकराव वाले बयान से बचें। क्योंकि अक्सर उदाहरण इन्हीं क्षेत्रों से स्थापित होते हैं। अभी देश में चुनाव का मौसम है इसलिये अनचाही टिप्पणियों का 'खतरा' इस क्षेत्र से ज्यादा है। वहीं अदालतों में व्यक्त न्यायाधीशों के विचारों और बयानों को भी अक्सर आम लोग फैसले की कड़ी के रूप में देखते हैं। उसके आधार पर किसी मसले पर सही और गलत के बारे में राय बनाते हैं। मगर कई बार कुछ न्यायाधीशों के मुंह से ऐसी बातें निकल जाती हैं, जो न केवल उनके पद की गरिमा के विरुद्ध होती, बल्कि उनसे समाज में नाहक अनुचित प्रवृत्तियों को बढ़ावा मिलता है। इसीलिये कर्नाटक उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश की टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट को सख्त रुख अख्तियार करना प?ा। कर्नाटक हाईकोर्ट के जज ने मुकदमे की सुनवाई के दौरान एक महिला वकील की गरिमा को भंग करने वाली आपत्तिजनक टिप्पणी की और बंगलुरु के एक मुसलिम बहुल इलाके को 'पाकिस्तान' तक कह कर संबोधित किया। हैरानी की बात है कि ऐसी टिप्पणियां करते हुए उन्हें यह याद तक न रहा कि वे न्यायाधीश के सम्मानित पद का निर्वाह कर रहे हैं। यूं तो ऐसे संकीर्ण और दुराग्रहपूर्ण विचार किसी भी सामान्य विवेक वाले व्यक्ति को नहीं रखने चाहिए। स्वाभाविक ही इन टिप्पणियों के सुर्खियों में आने के बाद सभी स्तरों पर लोगों ने चिंता जताई और खास व राहत की बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने उनका स्वत~संज्ञान भी लिया। प्रधान न्यायाधीश की अगुआई वाली पांच जजों की पीठ ने कहा कि संवैधानिक अदालत में न्यायाधीशों की टिप्पणियों को लेकर सख्त दिशानिर्देश बनाने की जरूरत है। पीठ के मुताबिक, सोशल मीडिया अदालत की कार्यवाही पर नजर रख रही है, तो हमें कोई भी टिप्पणी करते समय शालीनता बनाए रखनी चाहिए। समाज में न्यायाधीशों की छवि ऐसी होती है कि उनके वक्तव्यों को लोग न्याय का वक्तव्य समझते हैं। इसलिए ऐसे जिम्मेदार पद का निर्वाह करने वाले व्यक्ति को कोई भी टिप्पणी करते या कुछ भी बोलते हुए हर स्तर पर संवेदनशीलता बरतने की जरूरत है। दरअसल, मुकदमे के कानूनी पहलुओं और उसकी बारीकियों पर बात की जरूरत ज्यादा होती है। अब जहां तक अन्य दो क्षेत्रों की बात है तो कार्यपालिका में कई बार अधिकारी भी सामान्यजन के प्रति असभ्य शब्दों का उपयोग कर बैठते हैं। इसी तरह राजनीति से जुडे व्यक्ति भी ऐसे बयान दे डालते हैं जिससे कई बार लोगों का सिर शर्म से झुक जाता है। राजनीतिज्ञों के बयानों में कटुता,आपत्तिजनक शब्दों और व्यंग्य का इतना तीखा मिश्रण होता है कि बवाल भडक जाता है फिर दूसरा पक्ष भी ऐसी ही भाषा का उपयोग करने लगता है। यह सब कुछ चुनावों के वक्त ज्यादा होता है। नैतिकता के लिहाज से भी ऐसा करना बहुत गलत है और अब लगता है कि ऐसी बातें राजनीित में अनायास नहीं कहीं जाती हैं बल्कि इसके लिये बकायदा होमवर्क किया जाता है।

तिरुपति प्रसाद मिलावट कांड से मंदिरों पर सरकारी कब्जे से मुक्ति और दोषियों को कठोर दंड से जुड़े मुद्दे

■ आलोक मेहता

आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर के लड्डुओं में मिलावट पर देश दुनिया में हंगामा हो गया है । आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने स्वयं बाकायदा लेबोरटरी की प्रामाणिक रिपोर्ट के साथ यह भंडाफोड़ किया । उन्होंने बताया कि पिछली वाईएसआरसीपी के नेतृत्व वाली जगनमोहन रेड्डी सरकार के दौरान तिरुपति के श्रीवेंकटेश्वर मंदिर में पवित्र प्रसाद लड्डू बनाने में घटिया सामग्री और जानवरों की चर्बी , मछली के तेल आदि का उपयोग किया गया। स्वाभाविक है कि इस गंभीर मामले पर राजनीतिक , सामाजिक , धार्मिक संगठनों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की । वहीँ इस पूरे विवाद के बीच एक बार फिर से देशभर के मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त किए जाने की मांग उठने लगी है। प्रसाद में मिलावट पर राजनीति से हटकर एक और गंभीर मुद्दा देश भर में दूध , घी, तेल, मसाले, सब्जी, फल सहित अनेक खाद्य वस्तुओं में मिलावट के मामलों पर कठोर सजा न होने, सरकारी खाद्य संरक्षण संस्थानों और नियम कानूनों की कमियों, मामलों के मामले लटके रहने का है । जनता की आस्था ही नहीं उनके स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ी बातों पर प्राथमिकता के साथ अभियान की आवश्यकता है ।

आंध्र में जून में सत्ता परिवर्तन हुआ था। जिसके बाद चंद्रबाबू नायडू की पार्टी सत्ता में वापस आई है। मुख्यमंत्री का पद संभालने के बाद चंद्रबाबू नायडू ने मंदिर के लड्डुओं में मिलावट की आशंका जाहिर की थी। जिसके बाद मंदिर प्रशासन ने सप्लाई किए गए घी के सैंपल लेकर जांच के लिए गुजरात स्थित डेयरी विकास बोर्ड की लैब सेंटर ऑफ एनालिसिस एंड लर्निंग इन लाइव स्टॉक एंड फूड (भेजे थे। जिसके बाद लैब की रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे हुए। एनडीडीबी लैब की रिपोर्ट से पता चला कि शुद्ध घी में शुद्ध दूध में वसा की मात्रा 95.68 से लेकर 104.32 तक होना चाहिए था। लेकिन सैंपल्स में मिल्क फैट की वेल्यू 20 ही पाई गई थी। जिससे इस मिलावटी घी के बारे में खुलासा हुआ। जिसके बाद बड़ा विवाद उठ खड़ा हुआ। लैब की रिपोर्ट के मुताबिक इन सैंपल में सोयाबीन, सूरजमुखी, जैतून का तेल, गेंहू, मक्का, कॉटन सीड, मछली का तेल, नारियल, पाम ऑयल, बीफ टैलो, लार्ड जैसे तत्व पाए गए हैं। इस घी को चेन्नई की एक कंपनी की कंपनी ने सप्लाई किया था। आरोप यह भी आया कि उस कंपनी के प्रबंधन में पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के रिश्तेदार भी शामिल हैं । आंध्र के पूर्व सीएम जगन मोहने ने कहा कि, घी की सप्लाई के लिए हर 6 महीने में टीटीडी टेंडर जारी करता है। रूटीन के तहत ही जो लोग चुने जाते हैं, उन्हें टेंडर दिया जाता है। ये मानदंड कोई आज तय नहीं हुए है। वे 10 साल से इसी तरह चले आ रहे हैं। इस पूरे मामले पर मंदिर समिति तिरुमला तिरुपति देवस्थानम की ओर से भी बयान जारी किया गया है। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम मंदिर के एक्जीक्यूटिव ऑफिसर श्यामला राव ने भी स्वीकार किया है कि हमारे मंदिर की पवित्रता भंग हुई है। पिछली सरकार ने मिलावट की जांच के लिए कोई कदम नहीं उठाए थे।जब मैंने टीटीडी की कार्यकारी अधिकारी का पदभार संभाला था, तो मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने खरीदे गए घी और लड्डू की गुणवत्ता पर चिंता व्यक्त की थी। राव ने कहा कि, वह चाहते थे कि मैं यह सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाऊं। हमने इस पर मामले पर काम करना शुरू किया है। तब हमने पाया कि हमारे पास घी में मिलावट की जांच करने के लिए कोई आंतरिक प्रयोगशाला नहीं है। बाहरी प्रयोगशालाओं में भी घी की गुणवत्ता की जांच करने की कोई व्यवस्था नहीं है। इसके अलावा भगवान को चढ़ने प्रयोग किए जा रहे शुद्ध घी कीमत 320 रुपये रखी गई थी। जो संदेह पैदा कर रही थीं। शुद्ध घी की कीमत कम से कम 500 रुपये प्रति किलो होने चाहिए थी। तिरुपति बालाजी के प्रसाद में मिलने वाले लड्डू पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हैं। इन्हें जीआई का टैग भी मिला है। मंदिर प्रशासन हर रोज शुद्ध देसी घी के 3.50 लाख लड्डू तैयार करता है। इन लड्डुओं को बनाने में शुद्ध बेसन की बूंदी, चीनी, काजू और शुद्ध घी का इस्तेमाल किया जाता है। यहीं लड्डू तिरुपति मंदिर का मुख्य प्रसाद होते है। मंदिर के प्रसाद को बनाने के लिए मंदिर हर साल करीब 5 लाख किलो और हर महीने 42000 किलो घी तिरुमला तिरुपति देवस्थानम की ओर से खरीदता है। इस घी की खरीद के लिए मंदिर प्रशासन टेंडर जारी करता है। नए मुख्यमंत्री ने कहा है कि इस भ्रष्टाचार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। इस मामले में सरकार की ओर से कई लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरु हो गई है ।कंपनी को सरकार की ओर से प्रतिबंधित कर दिया गया है। हालांकि कंपनी ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा कि , जून-जुलाई में जो घी हमने भेजा था। उ कलेक्ट किया था। हमारे घी में किसी भी तरह की कोई मिलावट नहीं है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू से इस मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि है उन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू से बात की है और तिरुपति लड्डू मुद्दे पर रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने कहा कि केंद्र इस मामले में खाद्य सुरक्षा नियमों के तहत कार्रवाई करेगा। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) इसकी जांच करेगा, रिपोर्ट देगा और फिर हम कार्रवाई करेंगे।

सवाल यह है कि यह प्राधिकरण कितना सक्षम है । उसके प्रशासन , व्यवस्था , अधिकार आदि पर केंद्र सरकारों ने कितना ध्यान दिया । गड़बड़ियों और र्भ्ष्टाचार की शिकायतों पर कितनी कार्रवाई हुई ड़ वहीँ मिलावट पर राज्य सरकारों और स्थानीय नगर निगम पालिका मिलावट रोकने के लिए क्या पर्याप्त कार्रवाई कर रही हैं ड़लचर प्रशासनिक कार्यप्रणाली के कारण मिलावटखोरों पर पूरी तरह से शिकंजा नहीं कस पाता है। मिलावट के लगभग सभी मामलों में जुर्माना लगता है, सजा नहीं हो पाती है। पिछले पांच साल में सजा का कोई बड़ा फैसला नहीं हुआ है। हालांकि, भारतीय दंड संहिता में मिलावटखोरों पर कड़ी सजा का प्रावधान है, लेकिन मिलावट से संबंधित 90 फीसदी मामले प्रशासनिक कोर्ट में स्थानांतरित हो जाते हैं, जिस कारण वह न्यायालय की कार्रवाई से बच जाते हैं।भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद खाद्य पदार्थों में मिलावट को रोकने के लिए सख्त सजा की सिफारिश की है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा 2006 के खाद्य सुरक्षा एवं मानक कानून में प्रस्तावित संशोधनों के अनुसार खाद्य उत्पादों में मिलावट करने वालों को आजीवन कारावास और 10 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है ।खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के क्रियान्वयन और प्रवर्तन का दायित्व राज्य सरकारों का है। राज्य खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा खाद्य पदार्थों के नमूने लिए जाते हैं और विश्लेषण के लिए द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में भेजे जाते हैं। जिन मामलों में नमूनों में मिलावट पाई जाती है, वहां अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जाती है।

मजेदार बात यह है कि यह प्राधिकरण केवल भारत की खाद्य बल्कि विश्व भर से आने वाली खाद्य वस्तुओं , सौंदर्य प्रसाधन की मान्यता स्वीकृति देने का अधिकार रखता है । विदेशी वस्तुओं के आयात की अनुमति में गड़बड़ी और भ्रष्टाचार पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता है । जबकि भारत कोडेक्स (खाद्य पदार्थों के संरक्षण की संहिता का विश्व संगठन का सदस्य है । भारत के विशेषज्ञों को विदेशों में ज्ञान देने बुलाया जाता है । लेकिन भारत में अपनी ही सरकार उनकी लिखित सिफारिशों को समुचित महत्व देकर लागू नहीं कर पा रही है ।

दूसरा मुद्दा देश के मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण का है । देशभर में मंदिरों पर से सरकार के नियंत्रण से मुक्त करने की मांग को लेकर पिछले एक दशक से आंदोलन हो रहे हैं। लोगों की मांग है कि सरकार इन मंदिरों को अपने नियंत्रण से मुक्त करे। इससे मंदिर बोर्ड में हो रहे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। कई लोग मानते हैं, 'हिंदू मंदिरों की स्वतंत्रता' आंदोलन न तो 2014 के बाद शुरू हुआ कोई नया संघर्ष है और न ही यह सांप्रदायिक एजेंडे का हिस्सा है। सुधार के बाद के भारत में जहां राज्य अपनी अधिकांश संपत्तियों, कंपनियों और अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों को उदार बना रहा है, मंदिर अभी भी उसके नियंत्रण में हैं। मंदिरों को मुक्त करने के आंदोलन से जुड़े लोगों का कहना है कि हिंदू मंदिरों पर नियंत्रण धार्मिक क्षेत्र में 'लाइसेंस परमिट राज' का दर्श उदाहरण है। सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की मांग कर रहे लोगों का कहना है कि भारतीय लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष राज्य 194। से अस्तित्व में है जबकि अधिकांश हिंदू मंदिर सदियों पुराने हैं। यह तथ्य कि वे अभी भी फल-फूल रहे हैं, इस बात का प्रमाण है कि दशकों तक स्थानीय भक्तों द्वारा उनका प्रबंधन कैसे किया गया था। दूसरी तरफ सरकार की तरफ से नए-नए कानून के जरिये मंदिरों पर नियंत्रण का दायरा बढ़ाया जाता रहा है। मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की लड़ाई सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुकी है। शीर्ष अदालत की तरफ से भी मंदिरों पर सरकार के नियंत्रण को अनुचित ठहराय जा चुका है। सुप्रीम कोर्ट में जज रहे रिटायर्ड जस्टिस एसए बोबडे ने 2019 में पुरी के जगन्नाथ मंदिर से संदर्भ में कहा था कि मैं नहीं समझ पाता कि क्यों सरकारी अफसरों को मंदिर का संचालन करना चाहिए? एक अनुमान के अनुसार देशभर के करीब 4 लाख मंदिरों पर सरकार का नियंत्रण है। इससे पहले साल 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने 2014 में तमिलनाडु के नटराज मंदिर को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने को लेकर फैसला भी सुनाया था। उत्तराखंड में यह चुनावी मुद्दा बन गया था ।

राहुल के लिए चुनौती बनने वाले हैं केजरीवाल ?

■ दिलीप कुमार पाठक

सीएम केजरीवाल को इस्तीफा देना ही था, लेकिन केजरीवाल के इस्तीफ़े के पीछे उनका एक मास्टर स्ट्रोक भी है. अन्यथा केजरीवाल इस्तीफ़ा पहले ही दे देते. दरअसल केजरीवाल दिल्ली से निकलकर अब केंद्र की राजनीति में हाथ आज़माना चाहते हैं. आतिशी को दिल्ली सौंपकर आम आदमी पार्टी प्रमुख इसकी शुरुआत हरियाणा से करेगें. केजरीवाल जेल जाने के बाद लोकसभा चुनाव के बाद एक बार फिर से जनता के सामने होंगे?

दरअसल हरियाणा केजरीवाल का गृह प्रदेश है, दिल्ली से सटे हरियाणा में केजरीवाल का ज़्यादा वर्चस्व नहीं है, लेकिन किसान आंदोलन, पंजाब विधानसभा चुनाव में जीत के बाद उन्होंने हरियाणा में जीतने के ख्वाब ज़रूर देखे होंगे. और बड़ी बात आतिशी को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनने के बाद केजरीवाल पूरे देश में अपने लिए कैंपेन कर सकते हैं, उन्हें देश की जनता जानती है, केजरीवाल एक चर्चित, शिक्षित, राजनेता तो हैं ही साथ ही दिल्ली के स्कूल, पानी, बिजली, मोहल्ला क्लिनिक के बाद उनके पास एक विकास मॉडल भी है. केजरीवाल के पास एक दशक से ज्यादा बतौर मुख्यमंत्री का अनुभव भी साथ है. ऐसी नाज़ुक परिस्थितियों में राजनेता जनता के सामने जाकर अपनी बेगुनाही साबित करने के प्रयास करते हैं. केजरीवाल ने यह पांसा भी फेंक दिया है कि अब जनता की अदालत में जाऊँगा जनता जो कहेगी वो करूंगा, और यह भी सिद्ध है जनता की सहानुभूति मिल जाना बहुत आसान होता है।

देश की राजनीति में नरेंद्र मोदी की राजनीति अब कुंद पड़ चुकी है. ख़ासकर लोकसभा चुनाव के बाद सर्मथन से सरकार चलाने वाले पीएम मोदी की लोकप्रियता में भारी गिरावट आई है. वहीँ महाराष्ट्र, हरियाणा चुनाव की सम्भावित असफ़लता नरेंद्र मोदी को भाजपा के अंदर भी कमज़ोर करेगी, और अब भाजपा में मोदी के बाद कौन? फ़िलिहाल यह बीजेपी के लिए अंदरुनी मामला हो सकता है, लेकिन मोदी के बाद भाजपा का सत्ता में वापस आना बड़ा कठिन है. अतः अब राजनीति अपने विकल्पों को तलाश रही है. पीएम बनने के लिए किसी भी राजनेता के पास जनाधार, लोकप्रियता, के साथ प्रशासनिक अनुभव को वरीयता दी जाती है. इस लिहाज अरविन्द केजरीवाल राहुल गांधी के सामने एक बड़ी चुनौती हैं. केजरीवाल कैंपेन करने, हेडलाइंस बनाने में प्रबुद्ध हैं। अरविन्द केजरीवाल कांग्रेस के विकल्प के रूप में दिल्ली में उभरे थे, आज उनके पास जितना भी कोर वोटर है, सब के सब कांग्रेस के साथ जुड़े परंपरागत वोटर्स हैं. कांग्रेस भावनात्मक राजनीति कर रही है, वहीँ राहुल गांधी के उलट

केजरीवाल मास्टर स्ट्रोक खेलने में माहिर हैं. अभी कांग्रेस केजरीवाल के साथ इंडिया सर्मथन के नाम पर विपक्षी एकता का झंडा बुलन्द किए हुए हैं, लेकिन केजरीवाल अपनी राजनीति अपने अंदाज़ से करते हैं. केजरीवाल, नरेंद्र मोदी की कट्टर हिन्दुत्व की राजनीति के सामने सॉफ्ट हिन्दुत्व की राजनीति करते हैं. राहुल गांधी सामाजिक न्याय की राजनीति के पक्षधर हैं, राहुल ने मोदी - शाह के तिलिस्म को ज़रूर तोड़ा है लेकिन राहुल गांधी के सामने केजरीवाल की चुनौती आसान नहीं होने वाली। राहुल ठेठ राजनेता की तरह नहीं बल्कि एक जननायक बनने की दौड़ में शामिल हो गए हैं, जबकि केजरीवाल देश के नेता के रूप में अपने आप को देखना चाहते हैं. उफान के बाद कुंद हो चुकी भाजपा अब केजरीवाल को रोक नहीं पा रही, वहीँ केजरीवाल को बदनाम करने का दांव भाजपा के गले की हड्डी बन चुका है. केजरीवाल को पता होता है कब क्या करना हैं, केजरीवाल जो एक दौर में कांग्रेस के विकल्प थे जिन्होंने कांग्रेस के दो राज्य जीत लिए, जनाधार में सेंधमारी कर ली, उन्हीं केजरीवाल ने कांग्रेस का समर्थन लेकर सरकार बनाई थी, जबकि कुछ दिनों में इस्तीफा दे दिया था, कि कांग्रेस काम नहीं करने दिया. अतः अब आप मुझे पूर्ण बहुमत दीजिए. दिल्ली की जनता ने केजरीवाल को प्रचंड बहुमत दे दिया, लेकिन सोचना चाहिए कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी को समर्थन क्यों दिया था? जिन केजरीवाल ने कांग्रेस को सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा की मदद की थी, उन्हें ही बार-बार समर्थन देना हैरान करने वाला है. कांग्रेस के निर्णय भावनाओं के आधार पर दिखते रहे हैं. एक तरफ़ राहुल गांधी इन्डिया गठबंधन में एकता बनाए रखने के लिए आतुर हैं वहीँ आम आदमी पार्टी ने सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान कर दिया है. आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस और 'आप' के एक साथ मिलकर चुनाव लड़ने की फिलहाल कोई संभावना नहीं है. ऐसे में सवाल उठता है कि क्या केजरीवाल राहुल गांधी और कांग्रेस पर हमला करते दिखेंगे?? या नहीं ! क्योंकि दिल्ली में केजरीवाल कांग्रेस के विरुद्ध रहकर ही अपनी जमीन बचाए रख सकते हैं. भूलना नहीं चाहिए, जो नरेंद्र मोदी, अरविंद केजरीवाल को राजनीतिक रूप से खत्म करना चाहते थे, जिनकी राजनीतिक पहिचान मिटाना चाहते थे, क्या अब केजरीवाल के नाम पर राहुल को रोकना चाहते हैं? फ़िलिहाल राहुल गांधी के सामने हिन्दुत्व की राजनीति का उभार अब कम हो गया है, राहुल गांधी के सामने अमित शाह भी कुछ कर नहीं पा रहे राहुल अपनी जननायक की शख्सियत के साथ आगे बढ़ रहे हैं, जबकि केजरीवाल ठेठ राजनेता की तरह ... एक सवाल यह भी है क्या केजरीवाल के जरिए राहुल गांधी को रोका जा सकता है? इसका जवाब तो भविष्य में पता चलेगा लेकिन उसके लक्षण हरियाणा चुनाव के साथ दिखने लगे हैं, वहीँ दिल्ली चुनाव बाद खुलकर सामने आएंगे... केजरीवाल राहुल गांधी के विकल्प बनते हैं या नहीं हालांकि उसकी रूपरेखा स्पष्ट दिखाई दे रही है.

- साभार

जीवन उनका नहीं युधिष्ठिर ,
जो उससे डरते हैं
वह उनका , जो चरण रोप
निर्भय हो कर लड़ते हैं ।
–रामधारी सिंह 'दिनकर'

निशाना

पूंछ रहे सवाल !!

साध कर निशाना ।
पूंछ रहे सवाल ।।
सच सच बतलाएं ।
करता कौन बवाल ।।
ले लिए हैं हम ।
नया अब अवतार ।।
ना कहो चालाक ।
है यह तो व्यवहार ।।
कथनी और करनी में ।
भले रहा मैं भिन्न ।।
हमको है सताया ।
अंदर से मैं खिन्न ।।
मांग रहा मैं वोट ।
जोड़ लिया है हाथ ।।
ना आगे भटकाना ।
वरना मैं अनाथ ।।

- कृष्णेन्द्र राय

आज का इतिहास

- 1123 पोप कैलिक्सटस द्वद्ब और पवित्र रोमन सम्राट हेनरी वी ने कॉनकॉर्डैट ऑफ वर्म्स को निवेश विवाद का अंत करने के लिए सहमत किया।
- 1459 रिचर्ड नेविल के नेतृत्व में यॉर्किस्ट बलों ने इंग्लैंड के स्टाफ़र्डशायर में ब्लेयर हीथ की लड़ाई में लंकेस्ट्रियन सैनिकों को हराया, वार्स ऑफ़ द रोज़ेज़ की पहली बार लड़ाई।
- 1568 एंग्लो-स्पैनिश वॉर-एट सैन जुआन डे उलूआ (आधुनिक वेराक्रूज, मैक्सिको में), स्पेनिश नौसैनिक बलों ने अंग्रेजी प्राइवेटर्स को अपने अवैध व्यापार को रोकने के लिए मजबूर किया।
- 1739 रूस और तुर्की ने बेलग्रेड पर शांति संधि पर हस्ताक्षर किये।
- 1739 रूस और तुर्की के बीच बेलग्रेड शांति समझौते पर हस्ताक्षर हुए।
- 1779 अमेरिकी क्रांतिकारी युद्ध-जॉन पॉल जोन्स ने फ़्लैंबोरो हेड की लड़ाई में नौसेना का नेतृत्व किया, जो युद्ध के सबसे प्रसिद्ध नौसैनिक कार्यों में से एक था।
- 1780 अमेरिकी क्रांतिकारी युद्ध-ब्रिटिश अधिकारी जॉन एंड्रे को पैट्रियट बलों द्वारा कब्जा कर लिया गया था, वहां कॉन्टिनेंटल आर्मी जनरल बेनेडिक्ट अर्नोल्ड द्वारा एक साजिश का खुलासा करके वेस्ट प्वाइंट, न्यूयॉर्क को सौंप दिया गया था।
- 1803 दूसरे आंग्ल-मराठा युद्ध की निर्णायक लड़ाई में से एक, अटाए की लड़ाई में ब्रिटिश सेना द्वारा मराठा सैनिकों को पीटा गया था।
- 1806 लुईस एंड क्लार्क एक्सपैडिशन सेंट लुइस, मिसौरी पर पहुंच गया, लुइसियाना क्षेत्र और प्रशांत नॉर्थवेस्ट के सफल अन्वेषण को समाप्त किया।
- 1810 पश्चिम फ्लोरिडा गणराज्य ने स्पेन से स्वतंत्रता की घोषणा की।
- 1818 सीमा के मार्कर औपचारिक रूप से मोरेसेट के यूरोपीय क्षेत्र के लिए स्थापित किए गए।
- 1823 पहला एंग्लो-बर्मी युद्ध में बर्मा ने ब्रिटिशों पर शाहपुरा पर हमला किया, जो चटगांव के करीब एक द्वीप था।

नेशनल खिलाड़ी का किया स्वागत

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

शनिवार को वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के जोनल महामंत्री अशोक शर्मा, मंडल अध्यक्ष राजेश पांडे के निर्देश पर नेशनल फेडरेशन ऑफ़ इंडियन रेलवे मेंस एवं भोपाल मंडल के आदेश अनुसार चेन्नई से जयपुर की ओर यात्रा कर रही,भारतीय रेलवे,कोच और इंटरनेशनल वॉलीबॉल प्लेयर,, सिम्मी सिंह लाल जो की एनएफआईआर की सदस्य भी है, व पदमा मैडम जो इंटरनेशनल शूटर रेलवे है, इटारसी पहुंची। दोनो ही चेन्नई में डिप्टी सीटीआई के पद पर कार्य थे।भारतीय रेलवे की प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए एवं दिल्ली में जो नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवे मेंस मीटिंग होनी है उसमें जयपुर से दिल्ली की ओर रवाना हो रही थी। इटारसी पर मुख्य शाखा के अध्यक्ष प्रीतम तिवारी, संयुक्त संगठन सचिव दीपा मेहरा, सौरव गुप्ता ,सत्यम चौहान ,अंकुश मसीह ,विकास साहू ,रोशन, युवा खिलाड़ियों में नमन चौधरी शौर्य,प्रेमवती भाई के साथ सभी खिलाड़ियों ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।

पीएमश्री सीपीई इटारसी के 2 छात्र राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में चयनित

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय सीपीई के दो छात्रों का चयन राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता के लिए हुआ है। विद्यालय के आदित्य सराठे, तनिष चौरे का चयन केन्द्रीय विद्यालय संगठन भोपाल संभाग की राष्ट्रीय योग टीम अन्डर 14 एवं 17 वर्ष के लिए हुआ।प्रतियोगिता 23 से 27 सितंबर 2024 तक जयपुर में आयोजित की होगी। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस से उक्त छात्र मार्ग संरक्षक हेमंत कुमार के साथ रवाना हुए।उक्त आशय की जानकारी विद्यालय के क्रीड़ा प्रभारी अभिषेक संतोरे ने दी। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में इनके अच्छे प्रदर्शन के लिए विद्यालय के प्राचार्य अरविन्द कुमार राय, विद्यालय की योग प्रशिक्षिका ज्योति वर्मा एवं समस्त स्टॉफ ने बधाई प्रेषित की है।

नर्मदा भक्तों ने घाटों पर बिक रही अवैध शराब, मांस मटन की दुकान बंद कराने सौंपा ज्ञापन

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

शिवपुर थाना क्षेत्र में नर्मदा के घाटों पर बिक रही अवैध शराब मांस मटन की अवैध दुकानों को बंद करने के लिए युवा कांग्रेस सहित नर्मदा भक्तों ने शिवपुर थाना प्रभारी को ज्ञापन सोपा। इस दौरान युवा कांग्रेस महासचिव दुर्गेश बैरागी ने बताया कि मां नर्मदा के पवित्र तट बाबरी घाट, कजली डीमावर , चांदगढ़, कुंड ,हमीदपुर, लुजगांव, अर्चनागांव, उमरिया, जहां श्रद्धालु मां नर्मदा में स्नान करने जाते हैं वहीं इन घाटों पर दूसरे प्रदेश से आए हजारों लोगों द्वारा मां नर्मदा के किनारो पर टपरी बनाकर रह रहे हैं जो की किश्तियों में रेत भरने का काम कर रहे हैं इन्हीं लोगों के टपरियों के पास शराब माफिया छोटी-छोटी गुमटियां रखकर अवैध शराब बेच रहे हैं वहीं आसपास के कुछ लोग इन घाटों पर जाकर अवैध मांस मछली की दुकान लगा रहे हैं वही इन लोगों के द्वारा घाटों पर गंदगी मचाई जा रही है मां नर्मदा में स्नान करने आ रहे श्रद्धालु मांस मटन को कटता हुआ देखते हैं तो श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत होती है वही मुर्गा मुर्गी के पंख रास्ते में पड़े रहते हैं जिन पर से निकलना मुश्किल हो रहा एवं घाटों पर बिक रही अवैध शराब के कारण घाटों पर लोगों द्वारा शराब पीकर शराब की बोतले वहीं फेंक दी जाती वही ग्राम नाहरकोला में किसी व्यक्ति द्वारा गांव में नदी के पास टपरी बनाकर अवैध शराब बेची जा रही है जिससे गांव का माहौल खराब हो रहा है। अगर उचित जांच कर तीन दिनों में इन शराब माफिया एवं मांस मटन बेच रहे लोगों के ऊपर कार्रवाई नहीं की जाती हैं तो युवा कांग्रेस उग्र आंदोलन करेगा वही गुरुवार को युवा कांग्रेस के नेतृत्व में प्रदेश के मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया जाएगा जिसमें समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी इस दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ता सहित नर्मदा भक्त उपस्थित थे।

स्वच्छता को लेकर आयोजित प्रश्न मंच प्रतियोगिता में 40 विद्यार्थियों ने लिया भाग

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के अंतर्गत नर्मदा कॉलेज में एनएसएस और एनसीसी के स्वयंसेवकों द्वारा श्रमदान किया गया और प्रश्न मंच का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ अमिता जोशी ने भारत सरकार द्वारा चलाए जाने वाले स्वच्छता ही सेवा अभियान के महत्व पर जोर दिया तथा विद्यार्थियों को भी अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने कोविड, मलेरिया, डेंगू आदि बीमारियों पर भी नियंत्रण स्वच्छता अभियान ही एकमात्र विकल्प बताया।प्रश्नमंच का संचालन संयोजक डॉ बी एस आर्य और उनकी टीम शबनम कुरैशी, श्रीमती मंजुला भूमरकर, चिराग झामडै, वरुण तिवारी एवं अंजलि भट्ट द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ संजय चौधरी, डॉ रवि उपाध्याय एवं एनएसएस अधिकारी डॉ एस के दिवाकर, एनसीसी अधिकारी डॉ यास्मीन खान के साथ डॉ कुमुदिनी गार्गव, डॉ आशीष तोमर, सहित समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रश्न मंच में 40 विद्यार्थियो ने अपनी उपस्थिति दी जिसमें प्रथम स्थान पर सत्यम गुप्ता, द्वितीय स्थान पर पलक गोर, वैदेही भट्ट और एवं तृतीय स्थान पर संजना विश्वास और कशिश कुशराम रहे।

हाथ पर हाथ रखकर बैठे हैं जिला प्रशासन के अफसर

गौ-वंश को सड़क से हटाने के अफसरों को दिए निर्देश बे-असर

गौ वंश से सड़कों पर होने वाली दुर्घटना की जिम्मेदारी लेंगे अफसर..?

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

सरकार ने प्रदेश के अधिकारियों को निर्देश दे रखे हैं कि सड़कों पर विचरण कर रहे गौ-वंश को हटाया जाए. लेकिन सरकार के निर्देशों का अफसर पर कोई असर नहीं पड़ रहा. जिले में पिछले कई महीनो से गौ वंश को सड़कों पर विचरण करते हुए देखा जा रहा है. गौवंश से सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं को लेकर शासन प्रशासन जरा भी गंभीरता नहीं दिखा रहा है इसका परिणाम सिर्फ यह हो रहा है कि गांव वंश को सड़कों से हटाने की जिम्मेदारी निभाने वाले निकाय द्वारा जिम्मेदारी के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है।

मध्य प्रदेश के प्रमुख सचिव से लेकर कमिश्नर कलेक्टर और नगर पालिका अधिकारी जैसे जिम्मेदार पदों पर बैठे लोक सेवकों द्वारा कई बार निर्देश जारी कर दिए गए हैं की सड़कों से गोवंश को हटाया जाए यह निर्देश सिर्फ खाना पूर्ति के लिए जारी किए गए हैं इनका पालन होते हुए जरा भी दिखाई नहीं दे रहा है.

गाय को माता मानने वाले और गौ वंश के प्रति अगाध श्रद्धा रखने वाले भारतीय नागरिकों का भी दायित्व होता है कि वह इस समस्या को गंभीरता से निराकरण करते हुए आम जनों को राहत दें. लेकिन देखा जा रहा है कि गौ वंश के नाम पर सिर्फ धार्मिक आस्था का ही प्रदर्शन ज्यादा दिखाई देता है. वास्तविकता में जिस तरह गौ वंश के प्रति हमारी आस्था होनी चाहिए वैसा मंजर कहीं दिखाई नहीं देता है। कई जगह देखने और सुनने में आया कि गौ वंश द्वारा व्यक्तियों पर हमले किए जाते हैं जिससे भयंकर गंभीर परिणाम निकल कर आए हैं. सड़कों पर आवारा घूमते सांडों की वजह से राहगीरों का सुगमतापूर्वक निकलना मुश्किल हो रहा है। सांडों के हमले से घायल हुए लोगों की संख्या में भी बढ़ोतरी हो रही है।

क्या कारण है कि सड़कों से गोवंश को नहीं हटाया जा रहा है...

प्रदेश की सड़कों पर गौ वंशों को यहां तहां बैठे हुए अधिकांश देखा जा रहा है लेकिन इन्हें सड़कों से हटाने की कवायद गंभीरता से शुरू की गई हो ऐसा कहीं दिखाई नहीं दे रहा है। सड़क पर बैठे मवेशियों को यदि कोई वाहन चालक द्वारा जरा भी टक्कर लग जाती है तो झगड़े आक्रामक रूप से तैयार हो जाते हैं. कई बार तो मरने मरने की स्थिति भी निर्मित हो जाती है. यह सब गाय की प्रति अपार श्रद्धा और भक्ति का ही परिणाम है कि इंसान एक जानवर को बचाने के लिए इंसान पर हमला करने से नहीं चूक रहा है. शासन द्वारा गांव गांव गौशालाएं बनाई जा रही है लेकिन इन गौशालाओं का हाल भी बेहाल है. ग्राम पंचायत द्वारा इन गौशालाओं का निर्माण और रखरखाव किस तरह से किया जा रहा है यह बात किसी छिपी नहीं है. गौशाला के नाम पर सरकार की करोडों रुपए की राशि का क्या उपयोग हो रहा है और कितना उपयोग सार्थक रूप से हो रहा है. यह एक विचारणीय प्रश्न है.

सरकार के निर्देशों का पालन नहीं कर पा रहे अधिकारी

प्रदेश के मुख्य सचिव से लेकर कलेक्टर कमिश्नर और भी जो अधिकारी हैं जिम्मेदार पद पर बैठे हुए उनके द्वारा कई बार निर्देश जारी किए जा चुके हैं की सड़कों पर बैठे मवेशियों को हटाया जाए. लेकिन इन अधिकारियों के निर्देश भी सब खानापूर्ति ही साबित हो रहे हैं. समझ में आ रहा है कि ब्यूरोक्रेसी भी धार्मिक आस्था और अंधविश्वास के चलते कोई निर्णायक ठोस कदम उठाने में सक्रिय नहीं है. ऐसा नहीं तो फिर क्या वजह है कि अपने दिए हुए निर्देशों का पालन करने में वरिष्ठ अधिकारी खुद अक्षम साबित हो रहे हैं.

नगर पालिका द्वारा सड़कों पर विचरण कर रहे सांडों को हटाने की मुहिम चलाई गई और पशु वाहनों में भरकर उन्हें नगर की सीमा से बाहर छोड़ा गया लेकिन इन सांडों के द्वारा फिर से नगर में प्रवेश कर लेना क्या इस बार का सूचक नहीं है कि इन सांडो को पर्याप्त रूप से नगर से दूर नहीं किया गया। नगर की सीमा से दूर करने के लिए नगरी निकाय द्वारा लाखों रुपए खर्च किए जा रहे हैं लेकिन फिर भी नतीजा सिफर दिखाई दे रहा।

मेट्रो एंकर | रेलवे बोर्ड चेयरमेन ने की मीडिया से चर्चा

इटारसी जंक्शन के विकास पर है रेलवे का पूरा फोकस, भव्य-स्तरीय बनाएंगे रेलवे स्टेशन

इटारवी, दोपहर मेट्रो।

भारतीय रेलवे के महत्वपूर्ण जंक्शनों में इटारसी रेलवे जंक्शन शामिल है। यह शुरू से ही महत्वपूर्ण रेलवे जंक्शन रहा है और रेलवे की प्राथमिकता में भी रहा है। अभी रेलवे बोर्ड ने इस स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल किया है। इसके विकास के लिए 35 करोड़ रुपए की राशि भी दी है। इस स्टेशन को यात्री सुविधाओं के लिहाज से बेहतर के साथ ही भव्यस्तरीय बनाने के लिए रेलवे का फोकस है। इस जंक्शन के विकास के लिए यदि 25-30 करोड़ की आवश्यकता पड़ेगी तो रेल मंत्रालय के पास बजट की कोई कमी नहीं है। उसके लिए राशि प्राथमिकता से दी जाएगी।

यह बात रेलवे बोर्ड चेयरमेन सतीश कुमार ने इटारसी स्टेशन पर एसएस कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा में कही। वे यहां इटारसी-रानी कमलापति सेक्शन का विंडो निरीक्षण करने आए थे। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में इटारसी जंक्शन और बेहतर सुविधाओं के साथ निखरेगा। इसको अभी और अपग्रेड की आवश्यकता है इसी कड़ी में हमारा ये निरीक्षण इटारसी जंक्शन पर हुआ है। उन्होंने कहा कि आम जनता के लिए अभी ट्रेनों में दो जनरल कोच और 8 स्लीपर कोच

चलते हैं। जल्द ही ट्रेनों में दो जनरल कोच और बढ़ाए जाएंगे। दिसंबर माह तक सभी ट्रेनों में 4 जनरल कोच कर दिए जाएंगे। बड़ी संख्या में लोग एसी कोचों में भी सफर करना चाहते हैं इसलिए उनका भी ध्यान रखा जाएगा। दिसंबर तक सभी ट्रेनों को 50-50 रेशो के हिसाब से बैलेंस कर दिया जाएगा कि यात्री अपनी पसंद के हिसाब से कोचों का चयन कर सके।

नवंबर से ट्रेक पर उतरेंगी अमृत भारत

रेलवे बोर्ड चेयरमेन सतीश कुमार ने रेलवे बोर्ड द्वारा चलाई गई अमृत भारत ट्रेन योजना के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि अभी 2 अमृत भारत ट्रेन चल रहीं हैं जिन्हें जल्द ही और बढ़ाया जाएगा। हम लोग करीब 50 रेक और बना रहे हैं। इन सभी को नवंबर तक अमृत भारत सर्किट में उतार दिया जाएगा। इन ट्रेनों की खासियत यह है कि इनमें कोई भी कोच एसी नहीं है। इनमें सभी कोच जनरल कोच और स्लीपर कोच ही रहेंगे। इन ट्रेनों की खासियत यह रहेगी कि इनमें वहीं सुविधाएं मिलेंगी जो वंदे भारत ट्रेन में मिल रही हैं।

रनिंग स्टाफ की प्रशंसा की

सीआरबी सतीश कुमार ने रेलवे ट्रेक पर डिरेलमेंट की मंशा से अलग-अलग चीजें मिलने से जुड़े सवाल पर कहा कि इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं जो जांच का विषय हैं और इनमें जांच चल भी रही है। हमारा रनिंग स्टाफ भी पूरी तरह एलर्ट है तभी समय से पहले इस तरह की घटनाओं को ट्रेस कर लिया जा रहा है।

जोनल ट्रेनिंग सेंटर जरुरी

उन्होंने जबलपुर जोन में जोनल ट्रेनिंग सेंटर से जुड़े सवाल पर कहा कि ट्रेनिंग तो बहुत आवश्यक होती है। इसके लिए निशातपुरा में एक बन भी रहा है और आगे भी जहां आवश्यकता होगी वह अवश्य बनाए जाएंगे। वर्तमान में जिस तेजी से टेक्नॉलॉजी बदल रही है उस लिहाज से कर्मचारियों व अधिकारियों का ट्रेंड होना भी जरुरी है। स्टाफ को ट्रेंड करने में ट्रेनिंग सेंटर बड़ी भूमिका निभाते हैं।

स्वच्छता ही सेवा अभियान : 92 स्वास्थ्य कर्मचारियों का शासकीय अस्पताल में हेल्थ चेकअप किया

इटारवी, दोपहर मेट्रो।

जो स्वच्छता दूत हमेशा शहर की सफाई का ध्यान रखते हैं, आज उनका ध्यान रखा गया। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत रविवार को स्वच्छता कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण नगर पालिका ने कराया और आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिलाया।

बता दें कि इन दिनों 14 सितंबर से 2 अक्टूबर तक 'स्वच्छता ही सेवा 2024' का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर के स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत सफाई कर्मियों का व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण आयोजित किया। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत सफाई कर्मियों के स्वास्थ्य और कल्याण को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य उन कर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण करना है जो लगातार स्वच्छता बनाए रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती ऋचु मेहरा ने बताया कि 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' न केवल समाज को स्वच्छ रखने का अभियान है, बल्कि स्वच्छता कर्मियों के स्वास्थ्य और उनकी सुरक्षा का भी ख्याल रखने का अभियान है। यह हमारे समाज के उन नायकों की देखभाल के प्रति एक प्रतिबद्धता है जो दिन-रात स्वच्छता बनाए रखने में लगे रहते हैं। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का उद्देश्य सफाई कर्मियों के स्वास्थ्य की नियमित जांच और उन्हें आवश्यक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना था। परीक्षण में सफाई कर्मियों का रक्तचाप, शुगर, नेत्र जांच, हृदय स्वास्थ्य, और अन्य शारीरिक परीक्षण शामिल थे। सफाई कर्मियों की थकान और कार्य से उत्पन्न तनाव का आकलन कर, उन्हें उचित परामर्श और आवश्यक दवाएं प्रदान की गईं। स्वास्थ्य कर्मियों को उनके स्वास्थ्य को लेकर आवश्यक सलाह दी, जिसमें खानपान, व्यायाम और नियमित स्वास्थ्य जांच का महत्व बताया गया। यह सुनिश्चित किया गया कि सभी कर्मी स्वस्थ रहें और किसी भी बीमारी के शुरुआती संकेतों का समय पर पता लगाया जा सके।

75 हजार से अधिक नव साक्षरों ने दी परीक्षा, आठ ट्रांसजेण्डर भी शामिल हुए, 1889 मूल्यांकन केन्द्र बनाए गए

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

साक्षरता कार्यक्रम के तहत नव साक्षरो के आधारभूत भाषाई एवं संख्या ज्ञान के मूल्यांकन हेतु सम्पूर्ण मध्यप्रदेश के साथ-साथ विदिशा जिले में भी परीक्षा आयोजित की गई थी। उक्त परीक्षा में 75 हजार से अधिक नवसाक्षरो ने परीक्षा दी है। जिसमें आठ ट्रांसजेण्डर भी शामिल है। परीक्षा उपरांत मूल्यांकन कार्य 1889 केन्द्रो पर साथ सम्पादित किया जाएगा।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने जिले में नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत सम्पादित होने वाली परीक्षा सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न हो को ध्यानगत रखते हुए परीक्षा पूर्व किए जाने वाले प्रबंधो की गहन समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा था कि परीक्षा में शामिल होने वाले नागरिको को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो का विशेष ध्यान रखा जाए। सामान्य परीक्षाओं की तर्ज पर नवसाक्षरो को भी तमाम सुविधाएं मुहैया हो जिसमें परीक्षा केन्द्र पर बैठने की व्यवस्था विशेष तौर पर क्रियान्वित की जाए।

कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में किए गए प्रबंधो पर प्रकाश डालते हुए डीपीसी आरपी लखेरा ने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग के बीईओ, बीआरसी तथा खण्ड साक्षरता समन्वयक सहित अन्य को परीक्षा क्रियान्वयन के संबंध में निर्देशित किया गया था कि जिले के जिन हाईस्कूल, हायर सेकेण्डरी तथा शासकीय प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला में परीक्षाएं आयोजित की जानी है वहां तमाम प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं।

माध्यमिक शाला सुल्तानिया में परीक्षा संपन्न- शा.मा.शाला सुल्तानिया इन्फेंट्री लाइंस में नवसाक्षरों परीक्षा दी शाला के सभी शिक्षकों द्वारा हर्ष उल्लास के साथ परीक्षा ली गई जिसमे श्रीमति अराधना चतुर्वेदी, श्रीमति अल्पना सक्सेना, श्रीमति पुष्पा कुजूर, मो. ताहिर इकबाल शाला के समस्त शिक्षक शामिल हुए। नवसाक्षर परीक्षा में सम्मिलित हुए नागरिको में परीक्षा के प्रति उल्हास देखा गया। साक्षरता के प्रति रूझान इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिले के आठ ट्रांसजेण्डरो ने भी परीक्षा दी और साक्षरता के महत्व को रेखांकित करते हुए सभी नागरिको से साक्षर होने का आव्हान किया है।

नेशनल अचीवमेंट सर्वे की तैयारियों को मूर्त रूप दिया जा रहा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह द्वारा दिए गए निर्देशों का विभागों के माध्यम से अक्षरशः क्रियान्वयन समयावधि में किया जा रहा है।

कलेक्टर श्री सिंह ने गत दिवस विभागों की समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में की गई तैयारियों की जानकारी देते हुए डीपीसी एल पी लखेरा ने बताया कि विदिशा जिले में नेशनल अचीवमेंट सर्वे (एनएएस) की तैयारियों को मुर्तरुप दिया जा रहा है। ततसंबंध में संपादित किए जा रहे कार्यों की शिक्षा विभाग के संचालक ने भी भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए अन्य जिलों को माडल अपने के निर्देश दिए हैं।

विदिशा जिले में एनएएस 2024 की कार्यवाही जैसे टास्क फोर्स का गठन, कोर समूह का गठन शासकीय/अशासकीय शाला प्रमुखों व मदरसा संचालकों के साथ बैठक कर उद्देश्यों की प्राप्ति करने में कोई व्यवधान ना आएं।

डीपीसी श्री लखेरा ने बताया कि विदिशा जिले में नेशनल अचीवमेंट सर्वे (एनएएस) 2024 जो कि माह नवंवर द्वितीय सप्ताह में आयोजित होगा। इस सर्वे के जिला ,खंड एवं शाला स्तर पर उन्मुखीकरण प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित कर उद्देश्यों की प्राप्ति के संबंध में आवश्यक गाइडलाइन मार्गदर्शन दिया गया है। इसी प्रकार कोर समितियों का भी गठन किया जा चुका है, और उन्हें दायित्वों से अवगत कराया गया है। डीपीसी श्री लखेरा ने बताया कि क्लास 3,6,9 के चिन्हित शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के बच्चे शामिल होगे। सैंपल विद्यालय की सूची तत्समय प्राप्त होगी। इसलिए सभी विद्यालयों में तैयारी कराई जा रही है। एक विद्यालय से एक क्लास के अधिकतम 30 बच्चे शामिल होगे। परीक्षा 19 नवंबर को संभावित है।यह सर्वे शिक्षा की गुणवत्ता को जांचने के लिए प्रत्येक तीन वर्ष में केंद्र सरकार द्वारा सम्पूर्ण देश में कराया जाकर कर प्रदेशों की एवम जिलों की ग्रेडिंग की जाती है।

नियमों को ताक पर रखकर अवैध कॉलोनियों का निर्माण कार्य जारी

पट्टों की जमीनों पर कट रही कालोनियां जिम्मेदार अधिकारी नहीं दे रहे ध्यान!

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में अवैध कालोनियों का मकड़जाल दिन प्रतिदिन फैलता जा रहा है। इस मकड़जाल में मध्यम एवं गरीब वर्ग के लोग फंस रहे हैं। इन अवैध कॉलोनाइजरों द्वारा जिम्मेदारों से सांठगांठ कर बेखौफ होकर शासकीय पट्टे की भूमि, चरनोई की भूमि, वन विभाग एवं वक्फ बोर्ड और कब्रिस्तानों को खुर्द-बुर्द कर कालोनियां काटी जा रही हैं। वहीं, शहरी क्षेत्र के आसपास कृषि भूमि को समतल कर कॉलोनियों का लगातार निर्माण किया जा रहा है। जिसमें बिना टीएनसीपी एवं ईडब्ल्यूएस के नजर अंदाज कर शासन के नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। फिर भी शासन के नुमाइंदों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

पट्टों की जमीनों भी कट रही है कालोनियां – ज्ञात होकि कई कालोनियां एसी भी काटी जा रही है जिनकी भूमि पट्टे की है जबकि यह भूमि सरकार द्वारा दी गई थी आज वोह लोग अपनी भूमि को भू-माफिया के हाथों में देकर कालोनियां कटवा रहे है जबकि यह भूमि शासन ने उनको कृषि के लियें दी गई थी अब उनकी कीमतें बड गई तो लोग इनको इस कृषि भूमि को जो शासन ने उनको गुजारा करने के लियें दी थी बेच रहे है।

फाइल फोटो

शहर में लगभग 70 कॉलोनियां मौजूद हैं – सिरोंज के नगरीय एवं शहर के आसपास लगभग 70 कॉलोनियां मौजूद हैं। जिनमें से अधिकतर अवैध में आती हैं। फिर भी जिम्मेदार अधिकारियों से इस बारे में जानकारी ली जाती है तो जांच का हवाला देकर टालमटोल कर देते हैं। अवैध कॉलोनियों में खपाया जा रहा है। सरकारी कोपरा भू माफियाओं द्वारा दिन के उजाले और रात के अंधेरे में बेखौफ होकर शासन-प्रशासन की परवाह न करते हुए दिनदहाड़े शासकीय भूमि से बड़ी मात्रा में कोपरा मुरम निकालकर मोटे दामों पर इन अवैध कॉलोनियों में खपाया जा रहा है, जिससे शासन को हर माह लाखों रुपए के राजस्व की हानि तो हो ही रही है। विज्ञापन दिखाकर कर रहे गुमराह इन कॉलोनाइजरों द्वारा कृषि भूमि पर बड़े-बड़े होर्डिंग बोर्ड एवं पंपलेट में लोक लुभावने सपने दिखाकर लोगों को ठगने का काम किया जा रहा है। जिसमे तमाम सुविधाओं का दावा किया जाता है।

टीएनसीपी के बिना कट रही है बड़ी संख्या में कॉलोनियां – शासन द्वारा टीएनसीपी लागू किया गया है ताकि कॉलोनाइजर ओ द्वारा लोगों के साथ ठगी ना की जा सके लेकिन इन लोगों द्वारा बिना टीएनसीपी के कॉलोनियों का निर्माण किया जा रहा है और अपने होर्डिंग बोर्ड एवं पंपलेट में शासकीय मान्यता प्राप्त कॉलोनी लिखकर लोगों को गुमराह करने का काम किया जा रहा है।

कृषि भूमि पर काटी जा रही है कॉलोनियां – सिरोंज के नगरीय एवं शहर के आसपास भूमाफियाओं द्वारा महंगे दामों पर कृषि भूमि खरीदी जा रही हैं और उनको समतल करके शासन के नियमों को ताक पर रखकर कॉलोनियां काटी जा रही हैं। शहर में अवैध रहा है। अब यह बात समझ से परे है कि जिम्मेदारों द्वारा हरे-भरे वृक्षों को काटने की अनुमति कैसे दी जा रही है या फिर जिम्मेदारों की मिलीभगत एवं सांठगांठ से बिना अनुमति के ही इन लोगों द्वारा हरे-भरे वृक्षों को कॉलोनाइजरों द्वारा बड़ी संख्या में काटकर कॉलोनियों का निर्माण हरे भरे वृक्षों को काटकर किया जा रहा है

नगर पालिका की स्वच्छता रैली में स्कूली बच्चे ही पहुंचे!

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

प्रधानमंत्री के द्वारा स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। रविवार को नगर पालिका परिषद के द्वारा आयोजित की गई स्वच्छता रैली में गिने-चुने छात्र और अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे नगर के लोगों ने रैली से दूरी बनाकर रखी ऐसे में जागरूकता का संदेश आम जनता तक कैसे पहुंचेगा या फिर कहें औपचारिकता पूरी करने के लिए ही रैली निकाली गई। नगर में साफ सफाई व्यवस्था सही नहीं होने के कारण नगर पालिका के द्वारा आयोजित की गई स्वच्छता रैली में बहुत कम संख्या में स्कूलों के बच्चे पहुंचे नगर के अधिकांश लोगों ने भी दूरी बनाकर रखी आखिर ऐसा क्यों हो रहा है सफाई के नाम पर सिर्फ दिखावा हो रहा है धरातल पर कोई काम नहीं हो रहा है संतोष द्विवेदी ने बताया कि कई बार फोन लगाने के बाद भी सप्ताह में एक बार ही सफाई होती है विनोद शर्मा ने बताया कि सफाई के नाम पर सिर्फ कागजों में काम हो रहा है गली मोहल्ले में सफाई करने कोई नहीं आता है। इस वजह से लोग नगर पालिका की रैली दूरी बनाकर नगर के लोग चल रहे हैं। इस हालत में नगर कैसे साफ स्वच्छता में नंबर वन बनेगा उसके लिए पहले नगर पालिका के जिम्मेदारियां को धरातल पर देखकर इस व्यवस्था में परिवर्तन करना होगा तभी कुछ होगा वहीं स्वच्छता साइकिल रैली नगर पालिका कार्यालय से नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू एवं एसडीएम हर्षल चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर आरंभ की जो शहर के मुख्य बाजारों से होते हुए सीएम राइज स्कूल पहुंची जहां पर आयोजित कार्यक्रम में अधिकांश कुर्सियां खाली पड़ी रही । रैली को संबोधित करते हुए एसडीएस श्री चौधरी ने कहा कि सबसे पहले अपने घर और दुकानों से सफाई की शुरुआत करें इसके बाद दूसरों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करें शहर स्वच्छ बनेगा तो सब की तारीफ होगी अच्छा भी लगेगा। विकासखंड शिक्षा अधिकारी उमेश सोनी ,प्रभारी सीएमओ रामप्रकाश साहू ,स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मैंना ने भी अपने विचार व्यक्त किए इस मौके पर पार्षद प्रतिनिधि सचिन शर्मा ,तोष मंणी पंथी, वन परिक्षेत्र अधिकारी देवेश गौतम आदि मौजूद थे।

यातायात पुलिस ने ऑटो रिक्शा वाहनों की जांच में 19हजार के काटे चालान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

वरिष्ठ अधिकारियों तथा एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी के निर्देश पर यातायात प्रभारी रितेश वाघेला ने वाहन चेकिंग में 15 वाहनों पर चालानी कार्रवाई करते हुए 19300 सम्मान शुल्क भी वसूल। श्री बाघेला ने बताया कि चेकिंग अभियान विशेष रूप से स्कूल ऑटो रिक्शा वाहनों की जांच करते हुए नियम नियम विरोध पाए जाने पर चालानी कार्यवाही कुल 15 वाहनों चालकों पर कार्रवाई करते हुए.19300/- जुर्माना किया गया, कुछ दिनों पहले स्कूल वाहन चालकों की बैठक ली थी और सभी को वाहन संबंधी कागजात पूर्ण रखने एवं क्षमता से अधिक बच्चों को ना बैठाने का बताया गया था परंतु फिर भी कई वाहन चालकों द्वारा नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है तथा बच्चो और सवारी की सुरक्षा का ध्यान नहीं रखा जा रहा उन सभी पर निरन्तर कार्यवाही की जाएगी। वहीं कार्रवाई की जानकारी लगते ही कई वाहन चालक तो इनको देखकर दूसरे रास्तों से जाते हुए नजर आए पकड़े जाने पर कई तरह के बहाने करके फोन लगवा कर छुड़वाने का प्रयास भी किया पर यह सफल नहीं हो पाए।

उनारसी कला पुलिस ने 1 साल से फरार चल रहे स्थाई वारंटी को किया गिरफ्तार

सिरोंज। रविवार को उनारसी कला पुलिस ने 1 साल से स्थाई रूप से फरार चल रहा है वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। इसकी जानकारी देते हुए थाना प्रभारी . गोसिया सुल्तान की स्थाई वारंटी धारा 25 आर्म्स एक्ट में . दुर्गेश पाल पिता तोफान सिंह पाल उम्र 30 साल निवासी ग्राम चंदवाढ को गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसको जेल भेज दिया गया।

मेट्रो एंकर | ग्रामीण परिवेश के बच्चो के साथ मेहनत करकर उनकी

प्रतिभा को निखार कर उनसे रिजल्ट लेना काफी मेहनत का काम होता है: काका

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

अखिल भारतीय जैन समाज राजनैतिक चेतना मंच के अध्यक्ष एंव भारतीय तीर्थ क्षेत्र सुरक्षा समिति के उपाध्यक्ष हुकुम जैन काका का सिरोंज आगमन हुआ। इस अवसर पर उन्होने सिरोंज के जैन मंदिरो की जानकारी लेकर दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र नसिया जी एंव संत सुधा सागर गौशाला व सुधा सागर इंटरनेशनल स्कूल का भम्रण कर युवा कार्यकर्ता से रूबारू हुए। इस मौके पर विभिन्न संस्थाओं ने श्री जैन का भव्य स्वागत किया। तो वही आइजा ने उनका विशेष सम्मान किया।

युवा टीम लगन व महनत से कर रही गायों की सेवा

इस अवसर पर श्री जैन ने कहा कि में जैसे ही सिरोंज पहुचा तो सबसे पहले मैने दिगम्बर जैन नसिया जी के दर्शन किए। इसके बाद यहा पर युवा साथियो द्वारा संचालित हो रही संत सुधा सागर गौशाला का निरीक्षण किया। इस दौरान गौशाला में जो समाज के युवाओं की टीम लगन और मेहनत से गायो की सेवा कर रही है उसे देखकर मेरा मन प्रफुलित हो गया। में सभी युवाओं साथियो की ह्रदय से तारिफ करता हूं। साथ ही जिन्नेद्र प्रभु से प्रार्थना भी करता हूं कि इस पावन कार्य में सभी युवाओं को कामियाब व और ऊचाईया मिलें। साथ ही इस पुनः कार्य में जितने भी संसाधन की आवश्यकता गौशाला के साथियो को हो वह उन्हें प्राप्त हो। उन्होने कहा कि ऐसे दाता इनके साथ आए जिससे कि इस पुनः कार्य में यह हमेशा आगे बढतें रहें।

ग्रामीण परिवेश के बच्चो के साथ करना पडता है मेहनत

वही गुरू जी के नाम से संचालित हो रहें संत सुधा सागर इंटरनेशनल स्कूल का अवलोकन किया। जिस पर उन्होने कहा कि संत सुधा सागर जी महाराज मेरे लिए गुरू ही नही मेरे लिए भगवान है और मुझे नया जीवन ही उन्ही ने प्रदान किया है। उनके माध्यम से सिरोंज में ही नही उनके नाम से पूरे देश में अनेको स्कूल संचालित है। जिनमें हजारो की संख्या में विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करते है। में स्वंय चांदखेडी का अध्यक्ष हूं चांदखेडी में भी लगभग 9 सौ के आसपास विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करते है। हमारा स्कूल भी 10वीं-12वीं सीबीएसई है जिसका रिजल्ट भी काफी अच्छा हम देते है। ग्रामीण परिवेश का बच्चा हमारे स्कूल में आता है क्योकि चांदखेडी एक छोटा सा कस्बा है। आसपास के गांव के बच्चे वहा आते है ग्रामीण परिवेश के बच्चो के साथ महनत करकर उनकी प्रतिभा का निखार कर उनसे रिजल्ट लेना काफी महनत का काम होता है एक बडे परिवार का बच्चा,किसी अधिकारी का बच्चा पडें लिखे परिवार का बच्चा जन्म से टेलेन्टेड होता है। किन्तु ग्रामीण परिवेश के बच्चे को आगे बढाना काफी महनत का काम होता है। इस मौके पर जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष डॉ राजीव जैन बंटी, सौरभ जैन गुलाबगंज, आइजा के उपाध्यक्ष राजीव जैन सैनानी, पंकज जैन गरेठा, अतुल जैन सिक्की, विकास जैन, संजय जैन सियलपुर, सम्यक जैन, आयुष घेतल, आशीष जैन सियलपुर, प्रदीप जैन, संजीव जैन रेखला, पवन जैन, टिटू जैन सहित संत सुधा सागर गौशाला व सुधा सागर इंटरनेशनल स्कूल के सदस्य मौजूद रहें।

दीपना खेड़ा राशन दुकान संचालक शिकायत से बौखलाए, उपभोक्ताओं से अभद्र व्यवहार करने का वीडियो हुआ वायरल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में संचालित होने वाली अधिकांश शासकीय मूल्य की दुकानों पर खुलेआम उपभोक्ताओं के हक के राशन पर डाका डालने के कई मामले सामने आ चुके हैं। शिकायत के सामने आने के बाद भी खाद्य पूर्ति विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा राशन की कालाबाजारी करने वालों पर ठोस कार्रवाई नहीं की जाती इस वजह से राशन गोलमाल करने का खेल रूकने का नाम नहीं ले रहा इसी तरह का एक मामला दीपना खेड़ा उचित मूल की दुकान का आया है , जहां पर कई मीना से सेल्समैन के द्वारा राशन का वितरण नही करने की शिकायत ग्रामीणों के द्वारा की गई थी। इसके बाद खाद्य पूर्ति विभाग अधिकारी के निर्देश पर राशन बांटने के लिए सेल्समैन गांव पहुंचे जैसे ही शिकायत करने वाले उपभोक्ता इनके पास राशन लेने पहुंचे तो बौखला गया और उनके साथ तीखी नोक झोक करते हुए नजर आए इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कहीं ना कहीं राशन वितरण में गड़बड़ी की जा रही है ।अब देखना है की वीडियो वायरल होने के बाद सेल्समेन प और समिति संचालक पर क्या कार्रवाई की जाएगी समिति संचालक इसमें गलत व्यवहार करते हुए दिख रहे है।

चेस ओलिंपियाड: भारत को गोल्ड दिलाने वाले गुकेश-अर्जुन हर मैच में अजेय रहे, दिव्या-वंतिका को इंडिविजुअल गोल्ड

बुडापोस्ट. एजेंसी

भारत ने 45वें चेस ओलिंपियाड में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए ओपन और विमेंस कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीत लिए। देश को इंडिविजुअल कैटेगरी में भी 4 गोल्ड मिले, मेंस और विमेंस दोनों कैटेगरी में 2-2 प्लेयर्स ने पहला स्थान हासिल किया। दोनों कैटेगरी में 5-5 प्लेयर्स ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। 11 राउंड के बाद ओपन टीम ने 22 में से 21 पॉइंट्स हासिल किए। वहीं विमेंस टीम ने 19 पॉइंट्स के साथ गोल्ड पर कब्जा किया।

विमेंस टीम ने डिफेंडिंग चैंपियन चीन को हराया: विमेंस टीम में तानिया सचदेव, वैशाली रेमशबाबू, हरिका द्रोणावल्ली, वंतिका अग्रवाल और दिव्या देशमुख ने गोल्ड दिलाया। टीम ने 11 राउंड में से 9 जीते और एक ही ड्रॉ खेला। टीम को इकलौती हार पोलैंड के खिलाफ मिली। हालांकि, भारत ने 19 पॉइंट्स के साथ पहला स्थान हासिल किया। टीम ने 10वें राउंड में डिफेंडिंग चैंपियन चीन भी हराया।

1. तानिया सचदेव

स्पोर्ट्स कॉमेंटेटर तानिया सचदेव 2008 में ही ग्रैंडमास्टर बन गई थीं। हालांकि, तब विमेंस चेस में भारत कुछ खास नहीं कर रहा था। जिस कारण उन्हें अब जाकर टीम इवेंट में करियर का पहला इंटरनेशनल गोल्ड नसीब हुआ। वह 2012 के ओलिंपियाड में इंडिविजुअल ब्रॉन्ज जीत चुकी हैं। तानिया ने बुडापेस्ट में 5 मैच खेले, 2 में उन्हें जीत मिली, जबकि 3 ड्रॉ रहे। उन्होंने एक भी मुकाबला नहीं गंवाया।

2. हरिका द्रोणावल्ली

हरिका द्रोणावल्ली ने 2011 में ग्रैंडमास्टर का टाइटल हासिल कर लिया था। 2010 के एशियन गेम्स में उन्होंने इंडिविजुअल इवेंट का सिल्वर जीतने के बाद 2015 की वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज भी जीता। 2019 में उन्हें पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया। 2022 में वह एशियन गेम्स सिल्वर जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रही थीं। हरिका ने अब चेस ओलिंपियाड के 9 मैचों में से 3 में जीत हासिल की और 3 ही मुकाबले ड्रॉ खेले।

3. वंतिका अग्रवाल

बोर्ड-4 पर खेलते हुए वंतिका अग्रवाल ने विमेंस इंडिविजुल का भी गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने 11 राउंड में 9 मैच खेले और महज एक में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें 5 में जीत मिली, जबकि 3 मैच उन्होंने ड्रॉ खेले। उन्होंने 2023 में ग्रैंडमास्टर का टाइटल हासिल किया, इससे पहले 2022 में वह एशियन गेम्स का सिल्वर जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रही थीं।

4. दिव्या देशमुख

विमेंस टीम में भारत की सबसे मजबूत प्लेयर 18 साल की दिव्या देशमुख रहीं। वह देश की नंबर-1 विमेंस चेस प्लेयर भी हैं। उन्होंने ओलिंपियाड में सभी 11 मैच खेले, 8 जीते और महज 3 ड्रॉ खेले। उन्होंने 9.5 पॉइंट स्कोर के साथ बोर्ड-3 का इंडिविजुअल गोल्ड भी अपने नाम किया। दिव्या 2022 के चेन्नई ओलिंपियाड में इंडिविजुअल ब्रॉन्ज भी जीत चुकी हैं। उन्होंने 2020 के ऑनलाइन ओलिंपियाड में भी टीम इवेंट का गोल्ड जीता था। वह 2023 में एशियन चैंपियनशिप के इंडिविजुअल इवेंट का गोल्ड भी जीत चुकी हैं।

वैशाली रमेशबाबू: ग्रैंडमास्टर बनने वालीं वैशाली रमेशबाबू ने 2022 में विमेंस टीम के साथ एशियन गेम्स का सिल्वर मेडल जीता था। उन्होंने अब चेस ओलिंपियाड के 10 मैच खेले और 4 में जीत हासिल की। उन्हें 2 में हार भी मिली, लेकिन 4 मैच ड्रॉ खेलकर उन्होंने टीम का स्कोर खराब नहीं होने दिया।

27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा मुकाबला,

दूसरा टेस्ट: टीम में कोई बदलाव नहीं, भारत 1-0 की बढ़त पर

नईदिल्ली. एजेंसी

भारतीय टीम में बांग्लादेश के खिलाफ 27 सितंबर से कानपुर में होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए कोई बदलाव नहीं हुआ है। पहला मैच जीतने के बाद बीसीसीआई ने जारी बयान में कहा- 'मेंस सिलेक्शन कमेटी ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच के लिए वही टीम बरकरार रखी है।' बोर्ड ने 14 दिन पहले बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए टीम का ऐलान किया था। इस टीम में यश दयाल को पहली बार मौका दिया गया था। वहीं, केएल राहुल, ऋषभ पंत और विराट कोहली ने वापसी की थी। 280 रन से जीता पहला टेस्ट मैच, सीरीज में 1-0 की बढ़त भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 280 रन से जीत लिया है। रविवार को टीम इंडिया ने 515 रन के टारगेट का पीछा कर रही बांग्लादेश को 234 रन पर ऑलआउट कर दिया। एक दिन पहले शनिवार को भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने दूसरी पारी 4 विकेट पर 287 रन पर घोषित की और बांग्लादेश को 515 रन का टारगेट दिया। टीम इंडिया ने पहली पारी में 376 रन बनाए थे। जवाब में बांग्लादेश की पहली पारी 149 रन पर सिमट गई थी। रविचंद्रन अश्विन ने घरेलू मैदान पर दोहरा प्रदर्शन किया। उन्होंने शतक लगाया। साथ ही 6 विकेट लिए। वे प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

टी-20 मैचों की सीरीज भी खेलेंगे

रविचंद्रन अश्विन ने घरेलू मैदान पर दोहरा प्रदर्शन किया। उन्होंने शतक लगाया। साथ ही 6 विकेट लिए। वे प्लेयर ऑफ द मैच रहे। बांग्लादेश से 3 टी-20 की सीरीज भी खेलेगा टेस्ट सीरीज के बाद टीम इंडिया को बांग्लादेश के खिलाफ 3 टी-30 मैचों की सीरीज भी खेलनी है, हालांकि, चयनकर्ताओं ने टी-20 टीम का ऐलान नहीं किया है। पहला टी-20 मैच 6 अक्टूबर को ग्वालियर में खेला जाएगा, फिर 9 अक्टूबर को नई दिल्ली में दूसरा और 12 अक्टूबर को हैदराबाद में तीसरा टी-20 मैच होगा।

दूसरे टेस्ट के लिए टीम इंडिया

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह और यश दयाल।

मप्र डायरेक्ट वॉलीबॉल एसोसिएशन के नवनियुक्त चेयरमैन भार्गव का सम्मान

भोपाल. दोपहर मेट्रो

मप्र डायरेक्ट वॉलीबॉल एसोसिएशन के नवनियुक्त चेयरमैन राधेश्याम भार्गव के सम्मान में महाराणा प्रताप ग्राउंड पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। डायरेक्ट वॉलीबॉल प्रमोशन एसोसिएशन - इंडिया के चेयरमैन अफ़रोज़ शाह ख़ान द्वारा उन्हें म.प्र. एसोसिएशन का चेयरमैन नियुक्त किए जाने के बाद, यह पहला सार्वजनिक सम्मान समारोह था। इस आयोजन में प्रदेश भर के खिलाड़ी और वरिष्ठ पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ गई। समारोह में राधेश्याम भार्गव को उनकी निष्ठा, समर्पण और खेल के प्रति अटूट लगन के लिए सम्मानित किया गया। खेल जगत के सीनियर खिलाड़ियों की उपस्थिति ने इस अवसर को और विशेष बना दिया। प्रमुख अतिथियों में डॉ. एल एन मालवीय, जीपी माली, सुबोध श्रीवास्तव, रमेश तिवारी, एम एम खान, फरहान उद्दीन, रोहित सिंह, जावेद सिद्दीकी, हिमायत हाशमी, कैलाश तनवानी और भानु भारद्वाज जैसे गणमान्य लोग मौजूद थे। इन सभी ने राधेश्याम भार्गव की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए उनकी नियुक्ति को एसोसिएशन के लिए एक मील का पत्थर बताया। खिलाड़ियों और वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भार्गव के नेतृत्व में मप्र डायरेक्ट वॉलीबॉल एसोसिएशन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का विश्वास व्यक्त किया।

कार्लोस अल्कारेज ने दिलाई बराबरी

बर्लिन . एजेंसी

फ्रांसेस टियाफो ने टीम यूरोप के डेनियल मेदवेदेव को हराकर टीम वर्ल्ड को लेवर कप टेनिस स्पर्धा में बढ़त दिलाई। टियाफो के शानदार प्रदर्शन की बदौलत टीम वर्ल्ड ने टीम यूरोप के मेदवेदेव को 3-6, 6-4, 10-5 से हराकर 4-2 की बढ़त हासिल की। कार्लोस ने फिर बेन शेल्टन के खिलाफ जीत दर्ज कर टीम यूरोप को बराबरी दिलाई। अल्कारेज ने शेल्टन को 6-4, 6-4 से हराकर स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। स्पेनिश स्टार को लेवर कप में पहले मैच में अलेक्जेंडर के साथ युगल वर्ग में हार झेली।

हरमनप्रीत एफआइएच प्लेयर ऑफ द ईयर के लिए नामित

नई दिल्ली. एजेंसी

पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को एफआइएच प्लेयर ऑफ द ईयर के लिए शनिवार को नामित किया गया। 28 वर्षीय हरमनप्रीत ने पेरिस ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन किया था और टॉप स्कोरर रहे थे। उन्होंने आठ मैचों में कुल 10 गोल ठोके थे। हरमनप्रीत सिंह के पास तीसरी बार यह अवॉर्ड जीतने का मौका है। इससे पहले, वह 2020-21 और 2022 में विजेता बने थे। हरमनप्रीत सिंह ने कहा, इस अवॉर्ड के लिए नामिनेट होना मेरे लिए सम्मान की बात है, लेकिन यह सब मेरी टीम के समर्थन के बिना नहीं हो सकता था।

निशानेबाजी: कलिकेश एनआरएआइ के नए अध्यक्ष

नई दिल्ली. एजेंसी

कलिकेश नारायण सिंहदेव भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआइ) के नये अध्यक्ष बन गए हैं। उन्होंने चुनावों में वीके धाल को 36-21 से शिकस्त दी। ओडिशा के पूर्व सांसद कलिकेश पिछले साल रनिंदर सिंह के इस्तीफे के बाद से संघ का दैनिक कामकाज देख रहे थे। पिछले साल खेल मंत्रालय ने निर्देश जारी किया था कि राष्ट्रीय खेल महासंघों का कोई पदाधिकारी राष्ट्रीय खेल कोड के तहत 12 वर्ष से अधिक समय तक पद पर नहीं रह सकता।

मेट्रो बाजार

शेयर बाजार में इस हफ्ते तेजी की उम्मीद, फैक्टर्स तय करेंगे चाल

मुंबई. एजेंसी

इस हफ्ते शेयर बाजार में तेजी रहने की उम्मीद है। अमेरिका के जीडीपी आंकड़े और फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल की स्पीच से लेकर विदेशी और घरेलू निवेशकों की बाजार में खरीदारी जैसे फैक्टर्स बाजार की चाल तय करेंगे। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज में वेल्थ मैनेजमेंट के रिसर्च हेड सिद्धार्थ खेमका ने कहा- बाजार धीरे-धीरे ऊपर चढ़ रहे हैं और हमें उम्मीद है कि यह पॉजिटिव मोमेंटम स्ट्रॉन्ग इन्फ्लो के साथ अगले हफ्ते भी जारी रहेगा। पॉवेल स्पीच और अमेरिका जीडीपी निवेशकों की नजर जून 2024 को खत्म दूसरी तिमाही के लिए अमेरिका के जीडीपी आंकड़ों पर रहेगी। इसके बाद 26 सितंबर को फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल की स्पीच होगी। दूसरे एस्टीमेट में जून क्वार्टर की जीडीपी 3 फीसदी रही थी। इसके अलावा, पीसीई प्राइसेस के लिए रियल कंज्यूमर स्पेंडिंग, ड्यूरेबल गुड्स के ऑर्डर, पर्सनल इनकम और स्पेंडिंग, और अगस्त के लिए नए घर की बिक्री के आंकड़ों पर भी मार्केट पार्टिसिपेंट्स की नजर रहेगी। 20 सितंबर को समाप्त सप्ताह के लिए विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़े जारी होंगे। 27 सितंबर को ये जारी होंगे। 13 सितंबर को समाप्त हफ्ते में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 223 मिलियन डॉलर बढ़कर 689.458 बिलियन डॉलर हो गया था। अमेरिका के फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में 0.50 फीसदी की कटौती के बाद विदेशी संस्थागत निवेशकों यानी अकेले शुक्रवार को 14,064 करोड़ रुपए की खरीदारी की। वहीं बीते सप्ताह के दौरान FIIs ने कैश सेगमेंट में शुद्ध रूप से 11,518 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे, लेकिन घरेलू निवेशकों ने सप्ताह में मुनाफावसूली को प्राथमिकता दी। घरेलू निवेशकों ने 634 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

वोडाफोन-आइडिया जल्द ही 5 जी लॉन्च करेगी

मुंबई. एजेंसी

वोडाफोन-आइडिया ने नोकिया, एरिक्सन और सैमसंग के साथ तीन साल में 4 जी और 5 जी नेटवर्क इक्विपमेंट्स की सप्लाई के लिए 3.6 बिलियन डॉलर यानी 30 हजार करोड़ रुपए की डील की है। यह कंपनी के 6.6 बिलियन डॉलर (55 हजार करोड़ रुपए) के तीन साल के कैपेक्स प्लान के इंप्लीमेंटेशन की दिशा में पहला कदम है। कंपनी का इस प्लान से टारगेट- 4 जी पॉपुलेशन के कवरेज को 1.03 बिलियन (103 करोड़) से बढ़ाकर 1.2 बिलियन (120 करोड़) करना, प्रमुख बाजारों में 5 जी लॉन्च करना और डेटा ग्रोथ के तहत कैपेसिटी को बढ़ाना है। आइडिया लिमिटेड के सीईओ अक्षय मूंदड़ा ने कहा, हम अपने कस्टमर्स को बेस्ट-इन-क्लास एक्सपीरियंस देने के लिए उभरती नेटवर्क टेक्नोलॉजीज में निवेश करने के लिए कमिटेड हैं। हमने इन्वेस्टमेंट साइकिल शुरू कर दी है। हम अपनी जर्नी पर हैं और यहां से इंडस्ट्री ग्रोथ अपॉर्चुनिटीज में भाग लेने के लिए एक स्मार्ट बदलाव करेगी। नोकिया और एरिक्सन हमारी शुरुआत से ही हमारे पार्टनर्स रहे हैं और यह उस पार्टनरशिप में एक और माइलस्टोन है। हमें सैमसंग के साथ अपनी नई पार्टनरशिप शुरू करने की खुशी है। हम 5त्त युग में आगे बढ़ने के साथ अपने सभी पार्टनर्स के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं। कंपनी का मार्केट कैप 73 हजार करोड़ रुपए हो गया है। कंपनी का शेयर बीते एक महीने में 35त्न और छह महीने में 20 फीसदी गिरा है। वहीं एक साल में कंपनी का शेयर करीब 7 फीसदी गिरा है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

पिता शक्ति कपूर की कहानियों से प्रेरित होती हैं श्रद्धा कपूर, अभिनेत्री ने बताया क्या मिलती है सीख

श्रद्धा कपूर की हालिया रिलीज फिल्म 'स्त्री 2' बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई। अभिनेत्री अपनी इस फिल्म की सफलता का आनंद उठा रही हैं। अभिनेत्री ने फेमिना के लिए एक कवर स्टोरी में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने बताया कि वह सफलता को किस तरह से देखती हैं। उनकी फिल्म 'स्त्री 2' हाल ही में भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बनी हैं। बातचीत के दौरान, श्रद्धा ने सफलता के बारे में बात की और बताया कि उनके लिए सफलता का मतलब क्या है? उन्होंने कहा, 'मेरे लिए सफलता पारंपरिक तरीकों से परिभाषित नहीं होती है। इस समय, जब मैं आपसे बात कर रही हूं, तो इसका मतलब है स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेना, अपने परिवार के साथ पलों को संजोना और सार्थक रिश्तों को बढ़ावा देना। मेरे लिए, सच्ची सफलता का मतलब है प्रियजनों का नजदीक होना, आराम से सोना, अपने काम में आगे बढ़ना, जीवन को संतुलित करना और मानसिक रूप से शांत रहना।' अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मेरे पिता की कहानियां मुझे याद दिलाती हैं कि किसी भी चीज को हल्के में न लें, और यह मुझे जमीन से जुड़ा रखता है।' हाल ही में, श्रद्धा कपूर इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली अभिनेत्री बन गई हैं।

बॉलीवुड में कमबैक करेंगे फवाद! रिद्धि डोगरा के अपोजिट दिखेंगे

पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान 8 साल बाद बॉलीवुड में कमबैक करने वाले हैं। उन्हें रॉमकॉम जॉनर की एक फिल्म में एक्ट्रेस रिद्धि डोगरा के अपोजिट देखा जाएगा। फवाद अंतिम बार 2016 की फिल्म ऐ दिल है मुश्किल में दिखे थे। सूत्रों के हवाले से लिखा गया है कि रिद्धि और फवाद को एक रॉमकॉम फिल्म में कास्ट किया गया है। बाकी स्टार्स को कास्ट करना अभी बाकी है। फिल्म अभी शुरुआती स्टेज में है। पेपर वर्क हाल ही में पूरा हुआ है। फवाद और रिद्धि का लव एंगल देखने को मिलेगा। वहीं डायरेक्टर का नाम भी अभी सीक्रेट रखा गया है। सूत्र ने यह भी बताया है कि फिल्म की शूटिंग अभी शुरू नहीं हुई है क्योंकि दोनों दूसरे काम में अभी बिजी हैं। शूटिंग इस साल के अंत तक शुरू हो जाएगी। वहीं मेकर्स इसे साल के अंत में या 2026 की शुरुआत में रिलीज कर सकते हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, रिद्धि और फवाद फिल्म के किसी हिस्से की शूटिंग भारत में नहीं करेंगे। पूरी शूटिंग विदेश में होगी। इसकी शूटिंग न्यूयॉर्क या लंदन के कुछ जगहों पर की जाएगी।

• अभिनेत्री को अब भी है पछतावा

एक्ट्रेस प्रीति झंगियानी ने बिग बी की शॉल लेने से कर दिया था इनकार

2000 के दशक में रिलीज हुई फिल्म 'मोहब्बतें' की अभिनेत्री प्रीति झंगियानी ने अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत लिया। इस फिल्म में उनकी भूमिका ने गहरी छाप छोड़ी। हाल ही में, अभिनेत्री ने फिल्म में महानायक अमिताभ बच्चन के साथ काम करने के अनुभवों को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि अमिताभ बच्चन ने उन्हें शॉल दी थी, जिसे उन्होंने लेने से मना कर दिया था। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा? मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल ही में अभिनेत्री ने एक साक्षात्कार में इस घटना के बारे में साझा किया। उन्होंने जूम से बातचीत में बताया कि मॉडलिंग के दिनों से ही उनमें आत्मविश्वास था, और यह सहज रूप से कैमरे पर भी झलकता था। हालांकि, वह कैमरे के पीछे बहुत शर्मीली और अंतर्मुखी थीं। उन्होंने शूटिंग के दौरान की बात याद करते हुए कहा कि फिल्म की शूटिंग के दौरान फिल्म सिटी में कितनी ठंड थी। इस वजह से, अमिताभ बच्चन आए और उन्हें पहनने के लिए शॉल दी। हालांकि, उन्होंने इसे लेने से यह कहते हुए मना कर दिया, 'नहीं नहीं, मैं इसे नहीं ले सकती।' अभिनेत्री ने आगे कहा, 'फिर यश जी (यश चोपड़ा) मेरे पास आए और कहा, 'सुनो, अगर अमिताभ बच्चन मुझे वह शॉल देते, तो मैं इसे ले लेता, घर भाग जाता और उन्हें कभी वापस नहीं देता। मुझे आज भी इस बात का अफसोस है कि मैंने वह शॉल नहीं ली।

• एक्टर का दिलचस्प खुलासा

अभिनेता अभिषेक बनर्जी ने 'स्त्री 2' के लिए पीआर पर खर्च किए थे पैसे

अभिषेक बनर्जी हाल में ही वेदा और स्त्री 2 में नजर आए हैं। स्त्री 2 में उन्हें जेना के किरदार में काफी पसंद भी किया गया है। अभिनेता ने हाल में ही खुलासा किया कि उन्होंने इस फिल्म को लेकर अपने पीआर के लिए पैसे खर्च किए थे। अभिषेक बनर्जी हालिया रिलीज फिल्म स्त्री 2 में नजर आए हैं। अभिषेक ने भी एक दिलचस्प खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि अपने बारे में अच्छी बातें प्रसारित कराने के लिए अभिनेता ने पीआर को पैसे दिए थे। हालांकि, फिल्म की रिलीज के बाद उनकी तारीफ स्वाभाविक रूप से हुई, क्योंकि दर्शकों को उनका काम काफी पसंद आया। अभिषेक बनर्जी स्त्री 2 में अपने किरदार जेना के रूप में नजर आए। इस किरदार में अपने अभिनय से उन्होंने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। हाल में उन्होंने आईडीवा के साथ बातचीत के दौरान पीआर गतिविधियों की कमियों के बारे में बात करते हुए यह स्वीकार किया कि उन्होंने भी इसके लिए पैसे खर्च किए थे। अभिनेता ने कहा,फ्रसमस्या यह है कि पीआर की अगर स्वाभाविक और वास्तविक खबर भी आएगी, तो भी लोगों को लगता है कि पीआर है। किसी ने तुम्हारे बारे में अच्छा लिख दिया और तुम अच्छा महसूस कर रहे हो और ऑर्गेनिकली आया है, लेकिन फिर हर कोई सोचेगा, ओह इसने पीआर करवाया है। यह एक कमी है। मेरे साथ भी ऐसा हुआ।

मैनिट परिसर के हॉस्टल में इंजीनियरिंग थर्ड ईयर के छात्र ने कर ली आत्महत्या

नहीं मिला सुसाइड नोट, पुलिस ने जब्त किया मोबाइल, दतिया का रहने वाला था छात्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कमला नगर स्थित मैनिट परिसर के हॉस्टल नंबर-पांच में इंजीनियरिंग छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी लाश रविवार दोपहर हॉस्टल के छात्रों ने टावेल के सहारे सिलिंग फैन पर लटकी देख पुलिस को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला। कमरे से केवल बंद मोबाइल मिला है, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। पीएम के लिए शव मर्चूरी में रखवा दिया गया है। देर रात मृतक के परिजन दतिया से भोपाल पहुंच गए थे। पुलिस के अनुसार आदित्य सोहाने पिता भुवानंद गुप्ता (20) मूलत- दतिया का था। आदित्य मैनिट में कंप्यूटर साइंस एंड टेक्नोलॉजी की प?ाई कर रहा था और थर्ड ईयर में था। हॉस्टल में रहने वाले छात्रों ने रविवार दोपहर उसका शव टावेल के फंदे पर सिलिंग फैन पर लटका देख पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एफएसएल की क्राइम इंन्वेस्टिगेशन टीम से घटनास्थल का निरीक्षण कराया गया। जिस कमरे में छात्र ने फांसी लगाई है। उसका दरवाजा अंदर से लॉक नहीं था। प्राथमिक जांच में मामला आत्महत्या से जुड़ा नजर आ रहा है।

मोबाइल जब्त सीडीआर निकलवाएगी पुलिस: एफएसएल और पुलिस की टीम ने निरीक्षण किया और डायरी, नोटबुक समेत किताबें भी खोलकर देखी, लेकिन छात्र ने कोई सुसाइड नोट नहीं मिला था। पुलिस ने कमरे से बंद मोबाइल जब्त किया है। मोबाइल की बेटरी खत्म हो चुकी थी। पुलिस ने मोबाइल चार्ज कर चालू कर लिया है, लेकिन पैटर्न लॉक है। पुलिस का कहना है कि आज सोमवार को मर्चूरी में पीएम के दौरान परिजन के बयान दर्ज किए जाएगे।

कमरे में फांसी के फंदे पर लटकी मिली युवक की लाश

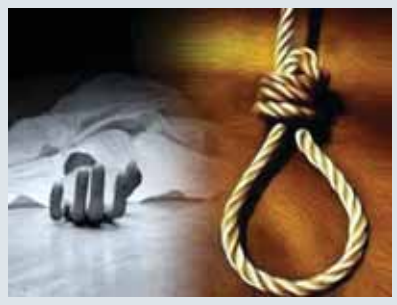

स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित खुशीपुरा में रविवार रात एक युवक की लाश बंद कमरे में फांसी के फंदे पर लटकी मिलने से सनसनी फैल गई। लाश करीब दो से तीन दिन पुरानी होने के कारण डिकंपोज होने लगी थी। पड़ोसियों ने बदबू की सूचना दी और पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद लाश बरामद कर पीएम के लिए मर्चूरी भेज दी गई है। पुलिस का कहना है कि घटना रात की होने के कारण साथ की कमरे में असहनीय बदबू होने के कारण निरीक्षण नहीं किया गया है। पुलिस आज पीएम के बाद कमरे का निरीक्षण करेगी। पुलिस के अनुसार तरुण शर्मा पिता रामशंकर शर्मा (28) खुशीपुरा, गली नंबर-3, मकान नंबर 10 में किराए से रहता था। करीब तीन महीने से वह यहां किराए से रह रहा था और प्राइवेट काम करता था। उसके कमरे के आसपास रहने वाले लोगों ने पुलिस को सूचना दीइथी कि उसके कमरे से बदबू आ रही है। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और कमरे का दरवाजा तुड़वाया गया। इस दौरान तरुण शर्मा की लाश फांसी के फंदे पर लटकी मिली।

बीमार युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। टीटी नगर इलाके में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस के मुताबिक मद्रासी कालोनी में रहने वाले सुरेश (48) इलेक्ट्रीशियन का काम करते थे। उनकी पत्नी घरों में खाना बनाने का काम करती है, जबकि बच्चे दुकानों पर काम करते हैं। शनिवार की शाम करीब पौने सात बजे पत्नी घर लौटी तो सुरेश फांसी पर लटके मिले। सूचना मिलते ही मौक पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि कुछ दिनों पहले सुरेश को पैरालिसिस का अटैक आया था। सिर में क्लाटिंग होने से एक हाथ और पैर ने काम करना बंद कर दिया था। वह खुशीलाल अस्पताल में अपना इलाज करवा रहे थे। इलाज से हाथ-पैर में राहत मिली थी, लेकिन सिर में असहनीय दर्द होता था। अनुमान है कि इसी कारण उन्होंने यह कदम उठाया होगा। हालांकि सही कारणों का खुलासा परिजन के विस्तृत बयान के बाद ही हो सकेगा।

जेवरात चोरी के मामले में पकड़ी गई महिला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शाहपुरा स्थित एक जिम के महिला कामन रूम से जेवरात चोरी के मामले में पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है। उसके पास से दो लाख रुपये कीमत के जेवरात बरामद हुए हैं। मिसरोद निवासी श्वेता खरे जैन (36) बीती 19 सितंबर को शाहपुरा स्थित गोल्ड जिम पहुंची थी। इस दौरान उन्होंने नियमानुसार जिम के महिला कामन रूम के लॉकर में अपना पर्स रखा और जिम करने चली गई। कुछ समय बाद उन्होंने लॉकर से पर्स निकाला तो उसकी चैन खुली मिली। चेक करने पर पर्स में रखी सोने की 2 चूड़ी, एक जोड़ी सोने के कान के टाप्स, एक जोड़ी सोने के झुमके, एक सोने के का छोटा पेंडेंट, 2 सोने के मंगलसूत्र तथा 22 हजार रुपये गायब थे। इसके एक छोटा पर्स था, जिसके अंदर आधार कार्ड, पहचान पत्र, पेनकार्ड, ड्रायविंग लायसेंस और डेबिट कार्ड रखे थे। पुलिस ने श्वेता की रिपोर्ट पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ चोरी का केस दर्ज किया था। जांच के दौरान पुलिस ने सीमा नायक (43) निवासी सलैया से पूछताछ की तो उसने जेवरात चोरी करना स्वीकार कर लिया। उसके कब्जे से चोरी के जेवरात बरामद कर लिए गए हैं। जब्त हुए जेवरातों की कीमत करीब 2 लाख रुपये बताई गई है।

जेवरात और नकदी समेत हजारों का सामान चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अलग-अलग इलाके में सूने मकानों के ताले तोड़कर चोर जेवरात और नकदी समेत हजारों का सामान चोरी कर ले गए। पुलिस के मुताबिक कोलार रोड स्थित बंजारी ए-सेक्टर में रहने वाले अमोल मोहने के सूने मकान से चोर सोने-चांदी के जेवरात और नकदी चोरी कर ले गए। चोरी गए सामान की कीमत का खुलासा नहीं हुआ है। बागसेवनिया स्थित संत आसाराम नगर निवासी आर्यन मालवीय के घर से चोर 55 हजार रुपए कीमत के जेवरात चोरी कर ले गए। इसी प्रकार स्नेह नगर मिसरोद में रहने वाले जिम जॉन के मकान से घड़ी और 40 हजार रुपए नकद चोरी चले गए। कमला नगर थानांतर्गत बापू नगर में रहने वाले रामलाल यादव के घर से पांच हजार रुपए नकदी और ऐशबाग स्थित ईशा तिवारी की दुकान से बीस हजार के पाईप चोरी चले गए। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

कमला नगर में तीन साल की बच्ची से दुष्कर्म मामले में आज जांच रिपोर्ट सौंपेगी समिति

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कमला नगर इलाके में रेड क्लिफ स्कूल में 3 साल की बच्ची के साथ हुई हैवानियत में कलेक्टर की तरफ से गठित तीन सदस्यीय समिति ने जांच पूरी कर ली है। सोमवार को समिति अपनी रिपोर्ट कलेक्टर को सौंप देगी। सूत्रों की मानें तो जांच में स्कूल प्रबंधन की लापरवाही उजागर हुई है। स्कूल में बच्चों की देखरेख के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। इसी का आरोपी फायदा उठाता था। वह मासूम बच्ची को क्लास रूम से अपने कमरे में लेकर जाता था। जहां, उनके साथ हरकत करता था। बच्चों की निगरानी के लिए रखी गईं केयर टेकर भी आरोपी के मंसूबों से अंजान थीं। इधर, मामले की जांच कर रही एसआईटी सोमवार को आरोपी कासिम रेहान की रिमांड अवधि पूरी होने पर सोमवार को कोर्ट में पेश करेगी। एसआईटी ने आरोपी से रिमांड अवधि के दौरान महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए हैं। बतादें, रेड क्लिफ स्कूल में पढने़ वाली तीन साल की बच्ची के साथ स्कूल के ही आईटी एक्सपर्ट रेहान ने दरिंदगी की थी। 14 सितंबर को बच्ची की मां उसे लेकर कमला नगर थाने पहुंची थी। पुलिस ने गुपचुप एफआईआर दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। बाद में मामले का खुलासा होने के बाद उसे पुलिस ने उसे दोबारा रिमांड पर लिया था। 23 सितंबर को उसकी रिमांड पूरी हो जाएगी।

अब चरित्र सत्यापन की सुध आई: स्कूलों में लगातार रेप की घटनाएं सामने आने के बाद शिक्षा विभाग की नींद टूटी है। जिला परियोजना समन्वयक अधिकारी ने सभी स्कूलों को आदेश जारी कर निर्देश दिए कि स्कूलों में कार्यरत सभी स्टॉफ का चरित्र सत्यापन, पुलिस वेरीफिकेशन कराएं। किसी भी आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति को स्कूल में नहीं रखें।

ऐशबाग में बच्ची से बैडटच का मामला, सीड्ब्ल्यूसी ने की काउंसलिंग

इधर, ऐशाबाग इलाके केजी-2 की बच्ची के साथ बैड टच की आशंका के मामले में सीड्ब्ल्यूसी ने बच्ची की काउंसलिंग की है। हालांकि, काउंसलिंग टीम ने अभी जांच रिपोर्ट पुलिस को नहीं सौंपी है। सोमवार को रिपोर्ट पुलिस को मिल सकती है। पुलिस का कहना है कि काउंसलिंग में भी बच्ची ने बताया कि स्कूल में उसे बैड टच के बारे में बताया गया था। उसी को उसने अपनी मां के सामने सुना दिया। आशंका के चलते परिजन उसे लेकर थाने आ गए। बाद में थाने में भी बच्ची ने घटना से मना कर दिया था। इसके साथ ही पुलिस ने जिस जगह बच्ची घटना बता रही थी, वहां भी जांच करने पहुंची थी। जो भीड़-भाड़ वाला इलाका है। जहां, घटना कारित करना संभव नहीं है। इसके साथ ही पुलिस ने घटना स्थल के पास रहने वाले व्यापारियों के भी बयान लिए हैं। सभी ने घटना होने से इंकार किया है।

इनका कहना...

स्कूल की मान्यता रद्द किए जाने की मांग पर कलेक्टर ने 6 सदस्यीय टीम गठित की है। टीम सभी नियमों को देखते हुए अपनी रिपोर्ट देगी। घटना के संबंध में 3 सदस्यीय समिति बनाई गई थी। जिसकी रिपोर्ट सोमवार को उच्च अधिकारियों को सौंप दी जाएगी।

- **अर्चना शर्मा**, एसडीएम टीटी नगर

पुल बोगदा पर रेलवे ट्रैक किनारे में मिला मीट शॉप संचालक का शव

भोपाल। ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित पुल बोगदा पर मीट शॉप संचालक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। परिजन की मौजूदगी में आज उसका पीएम कराया जाएगा। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि वह पुल बोगदा की दीवार पर बैठे बैठे नीचे नाली में गिरा है। पुलिस के अनुसार शनिवार रात पुलिस ने पुल बोगदा के नीचे से एक लाश बरामद की थी। लाश रेलवे ट्रैक किनारे पानी में पड़ी हुई थी। पुलिस ने मृतक का हुलिया लोगों को दिखाया तो एक पत्नी बीनने वाले मृतक की पहचान कर ली। उसने बताया कि मृतक जिंसी पर मटन शॉप चलाता था। पुलिस ने जिंसी पहुंची उसके बारे में पूछताछ की। परिजन ने मृतक की शिनाख्त कर ली। पुलिस को पता चला कि मृतक परवेज कुरैशी पिता अत्तु कुरैशी (37) जिंसी जहांगीराबाद में रहता था और मीट शॉप चलाताड़था। शनिवार को वह बच्चे को छोड़ने स्कूल गया था। इसके बाद घर नहीं लौटा।

पेड़ों की कटाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो। शहर के प्रभात चौराहे से लेकर अप्सरा टॉकीज तक सड़कों के पास लगे पुराने पेड़ों को नगर निगम ने काट दिया।

अधेड़ व्यक्ति पर युवक ने किया छुरी से हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टीला जमालपुरा में रहने वाले एक अधेड़ व्यक्ति पर युवक ने छुरी से हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ चाकूबाजी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक नई बस्ती टीला जमालपुरा में रहने वाले राजू यादव (55) इलेक्ट्रीशयन का काम करते हैं। इक्कीस सितंबर की रात करीब साड़े बारह बजे मोहल्ले में रहने वाला संतोष नामक युवक उनके घर के सामने नशे की हालत में गाली-गलौज कर रहा था। राजू ने उसे ऐसा करने से मना किया तो वह उनके साथ झूम गया। राजू ने उसे धक्का देकर अलग किया तो संतोष ने छुरी निकाल कर राजू पर हमला कर दिया। चिल्लाचोट सुनकर परिजन और मोहल्ले वालों ने बीच-बचाव किया। उसके बाद संतोष उन्हें धमकी देते हुए भाग निकला। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022